CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 139 ता. 25 नवम्बर 2021,गुरुवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

भारत में बैन होगी निजी क्रिप्टोकरंसी

दिल्ली। भारत सरकार निजी क्रिप्टोकरंसी पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक बिल पेश करने जा रही है. सरकार ने कहा है कि केंद्रीय रिजर्व बैंक के समर्थन वाली डिजिटल करंसी के लिए दिशा-निर्देश तय किए जाएंगे.लोकसभा ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि निजी क्रिप्टोकरंसी पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक बिल लाया जाएगा. इस बिल में सभी तरह की निजी क्रिप्टोकरंसी को प्रतिबंधित करने का प्रस्ताव है. पिछले हफ्ते ही भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि बिटकॉइन युवाओं के लिए खतरा पैदा कर रही हैं. उन्होंने कहा था कि अगर ये गलत हाथों में पड़ जाएं तो हमारे युवाओं को बर्बाद कर सकती हैं. भारत क्रिप्टोकरंसी पर प्रतिबंध का ऐलान करने वाली दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है. इससे पहले सितंबर में चीन ने क्रिप्टोकरंसी में हर तरह के लेनदेन को अवैध करार दे दिया था. निजी करंसी पर चिंता भारत में पिछले एक साल में क्रिप्टोकरंसी का बाजार बहुत ज्यादा बढ़ा है. पिछले साल अप्रैल में में सुप्रीम कोर्ट ने क्रिप्टोकरंसी पर लगे प्रतिबंध के आदेश को पलट दिया था जिसके बाद लोगों ने बड़ी संख्या में इसमें निवेश किया. चेनालिसिस नामक संस्था के मुताबिक पिछले एक साल में क्रिप्टोकरंसी में निवेश 600 प्रतिशत बढ़ा है. जानिए, बिटकॉइन कैसे काम करता है एक अनुमान के मुताबिक एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत में क्रिप्टोकरंसी धारकों की संख्या डेढ़ से दस करोड़ के बीच हो सकती है. इसकी कीमत अरबों डॉलर में आंकी गई है. भारत सरकार के इस आदेश ने इन लोगों के निवेश को खतरे में डाल दिया है. बीती जून में भारतीय रिजर्व बैंक ने ऐलान किया था कि वह अपनी डिजिटल करंसी लाने की योजना पर काम कर रहा है और इस साल के आखिर तक इसे पेश किया जा सकता है.

फिर कोरोना के 10,000 से कम नए केस, एम्स के निदेशक बोले- शायद न आए अब तीसरी लहर

डॉ. गुलेरिया ने कहा कि जिस तरह से वैक्सीन के प्रभाव के चलते संक्रमण की रफ्तार थमी और अस्पतालों पर दबाव कम हुआ है, उससे हर दिन तीसरी लहर आने का डर खत्म हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा होता भी है तो शायद यह पहली और दूसरी लहर की तरह खतरनाक न हो।

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के नए केसों में लगातार कमी बनी हुई है। एक बार फिर से 10,000 से कम नए केस आए हैं। बीते 24 घंटे में एक तरफ कुल 9,283 नए केस मिले हैं तो वहीं 10,949 लोग रिकवर हुए हैं। इससे एक्टिव केसों की संख्या में बड़ी गिरावट देखने को मिली है और अब यह आंकड़ा महज 1,11,481 ही रह गया है। यह आंकड़ा बीते 537 दिनों यानी करीब डेढ़ साल में सबसे कम है। यही नहीं रिकवरी रेट भी बढ़ते हुए 98.33 फीसदी पर पहुंच गया है, जो बीते साल मार्च के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। इस बीच कोरोना टीकों में भी तेजी देखने को मिल रही है। अब तक देश में 1118 करोड़ से ज्यादा कोरोना टीके लग चुके हैं और जल्दी ही यह आंकड़ा 120 करोड़ के पार पहुंचने की उम्मीद है।

इस बीच एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया का कहना है कि शायद अब देश में कोरोना की तीसरी लहर नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि इस बात की आशंका बहुत कम है कि देश में पहली और दूसरी की तरह कोरोना की तीसरी लहर आएगी। यही नहीं उन्होंने कहा कि जिस तरह से केसों में गिरावट देखने को मिल रही है, उससे साफ है कि वैक्सीन से लोगों की रक्षा हो रही है और फिलहाल कोरोना की बूस्टर डोज की जरूरत नहीं है। आईसीएमआर के निदेशक डॉ. बलराम भार्गव की पुस्तक 'गोइंग वायरल मेकिंग ऑफ कोवैक्सीन- द इनसाइड स्टोरी' की लॉन्चिंग के मौके पर उन्होंने यह बात कही।

डॉ. गुलेरिया ने कहा कि जिस तरह से वैक्सीन के प्रभाव के चलते संक्रमण की रफ्तार थमी और अस्पतालों पर दबाव कम हुआ है, उससे हर दिन तीसरी लहर आने का डर खत्म हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा होता भी है तो शायद यह पहली और दूसरी लहर की तरह खतरनाक न हो। उन्होंने कहा कि गुजरते समय के साथ यह महामारी बीमारी के तौर पर तब्दील हो जाएगी। लेकिन इसकी घातकता कम हो जाएगी। बूस्टर डोज के सवाल पर उन्होंने कहा कि फिलहाल जिस तरह से केसों में कमी जारी है, उससे ऐसा नहीं लगता है कि देश में कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज या फिर तीसरी डोज की जरूरत है।

यह आंकड़ा बीते 537 दिनों यानी करीब डेढ़ साल में सबसे कम है। यही नहीं रिकवरी रेट भी बढ़ते हुए 98.33 फीसदी पर पहुंच गया है, जो बीते साल मार्च के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। इस बीच कोरोना टीकों में भी तेजी देखने को मिल रही है। अब तक देश में 1118 करोड़ से ज्यादा कोरोना टीके लग चुके हैं और जल्दी ही यह आंकड़ा 120 करोड़ के पार पहुंचने की उम्मीद है।

कोविड टीकाकरण और हाइब्रिड इम्युनिटी के कारण लगातार घट रहे हैं संक्रमण के मामले

नई दिल्ली। कई वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि, जो लोग स्वाभाविक रूप से कोविड से संक्रमित हो जाते हैं और टीकाकरण से पहले ठीक हो जाते हैं, उनमें हाइब्रिड इम्यूनिटी विकसित होती है, जो केवल टीकाकरण से बनने वाली इम्यूनिटी से बेहतर होती है। दिवाली के तीन सप्ताह बाद कोविड संक्रमण के मामलों में गिरावट बताती है कि भारत कोविड संक्रमण के सबसे बुरे दौर को बहुत पीछे छोड़कर आगे बढ़ चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि संक्रमण के मामलों में गिरावट का श्रेय टीकाकरण अभियान व इस साल मार्च से जुलाई तक दूसरी लहर के दौरान वायरस से संक्रमित होने वाले लोगों में पनपी हाइब्रिड इम्युनिटी को दिया जा सकता है। हालांकि, देश के बड़े हिस्से में बढ़ती ठंड के साथ वायरस के नए संस्करण के संक्रमण की आशंका कभी खत्म नहीं हो सकती, लेकिन विनाशकारी तीसरी लहर की आशंका अब नजर नहीं आती है। सोनीपत में अशोक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गौतम मेनन कहते हैं,जब तक कि वायरस का कोई बेहद संक्रामक संस्करण न आए, पूरे देश में एक साथ संक्रमण बढ़ने की आशंका अब नहीं के बराबर है।

यह है हाइब्रिड इम्युनिटी

मेनन ने बताया कि कई वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि, जो लोग स्वाभाविक रूप से कोविड से संक्रमित हो जाते हैं और टीकाकरण से पहले ठीक हो जाते हैं, उनमें हाइब्रिड इम्यूनिटी विकसित होती है, जो केवल टीकाकरण से बनने वाली इम्यूनिटी से बेहतर होती है। सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली के निदेशक अनुराग अग्रवाल भी मेनन के साथ सहमति जताते हैं।

भारत में अब संक्रमण की भयावह लहर आने की आशंका नहीं है। मामलों में कमी से पता चलता है कि टीके अभी भी लोगों को संक्रमण से बचा रहे हैं। - डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक एम्स, नई दिल्ली

46 दिनों से लगातार 20 हजार से कम नए केस

बीते 46 दिनों से संक्रमण के नए मामले 20,000 से कम हैं। प्रोफेसर मेनन कहते हैं कि आंकड़े बताते हैं कि जहां, दूसरी लहर के दौरान एक बड़ा हिस्सा संक्रमित था, आज हालात वैसे नहीं हैं।

नई दिल्ली-न्यूजलपाईगुड़ी के बीच ट्रेन सेवा बहाल की, 28 नवंबर से होगी शुरुआत

नई दिल्ली। कोविड काल में थमीं ट्रेन पटरी पर लौटने लगी है। रेलवे ने नई दिल्ली-न्यूजलपाईगुड़ी के बीच ट्रेन सेवा बहाल करने का निर्णय लिया है। साथ ही स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस के जयपुर ठहराव पर समय संशोधित करने का निर्णय लिया है।

28 नवंबर से प्रत्येक रविवार और बुधवार को नई दिल्ली से चलेगी

ट्रेन संख्या 2523/12524 नई दिल्ली-न्यूजलपाईगुडी-नई दिल्ली ट्रेन सेवा बहाल होगी। यह द्वि-साप्ताहिक सुपर फास्ट एक्सप्रेस होगी। ट्रेन संख्या 12523 न्यूजलपाईगुडी-नई दिल्ली द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस 27 नवंबर से प्रत्येक शनिवार व मंगलवार को चलेगी। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 12524 नई दिल्ली-न्यूजलपाईगुडी द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट 28 नवंबर से प्रत्येक रविवार और बुधवार को नई दिल्ली से शाम 3:05 बजे चलेगी व अगले दिन शाम 6:30 बजे न्यूजलपाईगुडी पहुंचेगी। मार्ग में यह ट्रेन किशनगंज, कटिहार, खगड़िया, रूसेरा घाट, समस्तीपुर, मुज्जफरपुर, हाजीपुर, सोनपुर ठहरेगी।

स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस के जयपुर ठहराव पर समय संशोधित किया

रेलवे ने एक अन्य निर्णय में ट्रेन संख्या 12958/12957 नई दिल्ली-अहमदाबाद-नई दिल्ली स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस के जयपुर ठहराव पर समय संशोधित तत्काल प्रभाव से किया है। ट्रेन संख्या 12958 नई दिल्ली-अहमदाबाद राजधानी एक्सप्रेस का जयपुर से प्रस्थान समय देर रात 12:10 बजे के स्थान पर 12:11 बजे निर्धारित किया गया है। आगमन समय यथावत है। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 12957 अहमदाबाद-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस का जयपुर आगमन देर रात 2:50 बजे के स्थान पर 2:45 बजे निर्धारित किया गया है।

राजस्थान के कई शहरों में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे किया गया दर्ज

जयपुर। राजस्थान के सीकर, चुरू, हनुमानगढ़, पिलानी, नागौर और श्रीगंगानगर समेत राजस्थान के विभिन्न शहरों में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। मौसम विभाग की मानें तो बादल होने से कुछ शहरों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, राज्य के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास दर्ज किया गया। राज्य में सबसे कम तापमान सीकर के फतेहपुर में 1.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा सीकर में न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस, चुरू में 5.9 डिग्री सेल्सियस, हनुमानगढ़ में 6.7 डिग्री सेल्सियस, पिलानी में 7.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसी के साथ ही नागौर में 7.7 डिग्री सेल्सियस, श्री गंगानगर में 9.7 डिग्री सेल्सियस, अजमेर में 10.2 डिग्री सेल्सियस, टोंक में 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सवाई माधोपुर में तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस और जयपुर में 11.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अन्य स्थानों पर न्यूनतम तापमान 12.2 से 15.6 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। राज्य में अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस से 30.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाव के प्रवक्ता ने आगे बताया कि चित्तौड़गढ़ और कोटा में कोहरा रिकॉर्ड किया गया। राजस्थान में आने वाले दिनों में मौसम साफ रहेगा और तापमान में मामूली बदलाव की संभावना है।

महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों से निपटने की क्षमता बढ़ाएं, गृह मंत्रालय ने दिए निर्देश

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों से निपटने के लिए अपनी क्षमता को और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय ने महिलाओं की सुरक्षा को को लेकर पूर्व में जारी निर्देशों के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन के संबंध में एक स्टेटस नोट भी मांगा है। मंत्रालय ने राज्यों से अनुरोध किया है कि महिलाओं से जुड़े मामलों में कार्रवाई जल्द से जल्द शुरू करने और उनकी निरंतर निगरानी के लिए उपयुक्त दिशा निर्देश जारी किए जा सकते हैं। मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सभी मुख्य सचिवों, गृह सचिवों, पुलिस महानिदेशकों को एक हालिया परिपत्र के माध्यम से देश भर में महिलाओं को बेहतर सुरक्षा प्रदान करने की आवश्यकता पर बल देते हुए अपने एजेंडे को संप्रेषित किया। पिछले हफ्ते सर्कुलर जारी करते हुए गृह मंत्रालय ने 10 मई, 2013 से 30 जून, 2021 के बीच सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को जारी अपनी आठ सलाहों का भी उल्लेख किया, जिसमें महिलाओं के खिलाफ अपराधों से जुड़ी मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) की ओर उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए कहा गया था।

मंत्रालय ने राज्यों से अनुरोध किया है कि महिलाओं से जुड़े मामलों में कार्रवाई जल्द से जल्द शुरू करने और उनकी निरंतर निगरानी के लिए उपयुक्त दिशा निर्देश जारी किए जा सकते हैं।

मंत्रालय ने संसदीय स्थायी समिति की 233वीं रिपोर्ट का हवाला देते हुए महिलाओं के खिलाफ अपराधों से निपटने के लिए तंत्र को मजबूत करने के लिए अपनी कई सिफारिशों को भी याद दिलाया है। इस माह के शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण कानून के तहत बुनियादी ढांचे में खामियों को दूर करने का निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा था।

एनजीओ वी द वीमेन आफ इंडिया की ओर से यह याचिका दायर की गई थी। इस एनजीओ ने देशभर में शादी के बाद दुर्व्यवहार सहने वाली महिलाओं को कानूनी मदद और आश्रय गृह मुहैया कराने के लिए घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम के तहत बुनियादी ढांचे में व्यापक पैमाने पर मौजूद खामियों को दूर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

कम मात्रा में ड्रग्स रखना नहीं होगा अपराध, संसद में बिल पेश करेगी सरकार, आर्यन केस के बाद उठी थी मांग

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद से शीत सत्र में कृषि कानूनों की वापसी, प्राइवेट क्रिप्टोकरेंसी पर बैन समेत 26 बिलों को पेश करने का फैसला लिया है। इनमें से एक नारकोटिक्स ड्रग्स बिल, 2021 भी है। इसके तहत यह प्रावधान जाएगा कि कम मात्रा में गांजा, भांग समेत नशीले पदार्थ पाए जाने को अपराध नहीं माना जाएगा। सरकार की राय है कि इस कानून से नशे की लत में गए लोगों को सुधरने का मौका मिल सकेगा। हाल ही में ड्रग्स केस में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान समेत कई लोगों की गिरफ्तारी के बाद यह मांग उठी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मामले में सिफारिशें 10 नवंबर को प्रधानमंत्री कार्यालय में एक उच्च-स्तरीय बैठक में तय की गई थीं।

इस बैठक में राजस्व विभाग, गृह विभाग, नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, सामाजिक न्याय मंत्रालय, और स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी शामिल थे। नारकोटिक्स ड्रग्स साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेज़ (एनडीपीएस) बिल, 2021 के तहत मादक पदार्थों के निजी उपभोग को अपराध के दायरे से बाहर रखा जाएगा। इसके लिए 1985 के कानून की धाराओं 15,17,18, 20, 21 और 22 में संशोधन किए जाएंगे, जिनका संबंध ड्रग्स की ख़रीद, उपभोग, और फाइनेंसिंग से है। आर्यन खान केस में केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले समेत

कई हस्तियों ने कानून में फेरबदल की मांग की थी और कहा था कि लोगों को सुधरने का मौका मिलना ही चाहिए।

नारको ऐक्ट में बदलाव से क्या होगा?

सरकारी सूत्रों के अनुसार नारको बिल में किसी व्यक्ति के ड्रग्स रखने, निजी तौर पर उभोग करने और बेचने में अंतर किया जाएगा। इसमें बेचने को तो अपराध माना जाएगा, लेकिन बेहद कम मात्रा में रखने और निजी उपभोग को अपराध के दायरे से बाहर किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'ड्रग को अपराध न मानना, एक ऐसी तर्क संगत ड्रग नीति की ओर बढ़ने में महत्वपूर्ण क़दम है, जो विज्ञान और जन स्वास्थ्य को दंड और क़ैद से पहले रखती है।'

कृषि कानूनों की वापसी वाला बिल भी होना है पेश

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक होनी है, जिसमें कृषि कानूनों की वापसी समेत कुल 26 बिलों को संसद में पेश करने को मंजूरी मिल सकती है। बीते सप्ताह ही पीएम नरेंद्र मोदी ने कृषि कानूनों की वापसी का ऐलान किया था और अब इसके लिए संसद में एक बिल पेश किया जाएगा। बता दें कि एक साल से चले आ रहे किसान आंदोलन को खत्म कराने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। हालांकि अब भी संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं का कहना है कि एमएसपी गारंटी कानून समेत 6 मांगों को पूरा करने तक आंदोलन जारी रहेगा।

केजरीवाल के झूठे वायदों के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा का प्रचंड प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रदेश महिला मोर्चा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर झूठे वायदे करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विभिन्न राज्यों में अपने चुनाव अभियान के दौरान वे जनता को जितने वायदे कर रहे हैं उनमें से एक भी वायदा दिल्ली की जनता के लिए पूरा नहीं किया। प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्षा श्रीमती योगिता सिंह के नेतृत्व में आज यहां मुख्यमंत्री निवास के बाहर दिल्ली को शराब की नगरी बनाने और केजरीवाल के झूठे वायदों की पोल खोलने के लिए महिलाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। श्रीमती योगिता सिंह ने कहा कि केजरीवाल पंजाब और उत्तराखंड में हर महिला को प्रतिमाह एक हज़ार रुपये देने की बात कर रहे हैं। वे पहले उसे दिल्ली में पूरा करें। उन्होंने कहा कि वे पहले बेरोजगारों को भत्ता देने की बात कह चुके हैं लेकिन दिल्ली के हज़ारों बेरोजगार आज भी भत्ते के इंतजार में हैं।

श्रीमती योगिता सिंह ने कहा कि महिला कल्याण और सुरक्षा की बात करने वाले अरविंद केजरीवाल ने वायदा किया था कि वह डीटीसी बसों में सीसीटीवी कैमरा लगवाएंगे, कैमरा तो छोड़िए आज डीटीसी बसों की स्थिति जर्जर हो चुकी है। उनके द्वार महिलाओं की शिक्षा के लिए 500 से ज्यादा विद्यालय-कॉलेज खोले जाने का वायदा भी महज जुमला साबित हुआ। उन्होंने कहा कि आज तो शिक्षा व्यवस्था की स्थिति यह है कि जो शिक्षक पढ़ा रहे हैं, उन्हें वेतन भी देने में नाकाम साबित हुए हैं। यही नहीं महिला सम्मान की बात करने वाले केजरीवाल को जवाब देना चाहिए कि आखिर उनके कैबिनेट में एक भी महिला क्यों नहीं है। श्रीमती योगिता सिंह ने कहा कि आखिर एक वार्ड में तीन-तीन शराब की दुकानें खोली जाएंगी तो वहां महिला सुरक्षित कैसे हो पाएगी। आज द्वारका में नई शराब की दुकानें खोले जाने पर रोक लगा दी गई है। महिला मोर्चा नई आबकारी नीति के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है और इसका पुरजोर विरोध करेगी। दूसरे राज्यों में महिला सुरक्षा पर सिर्फ बातें करने वाले अरविंद केजरीवाल के ही विधायक को राशनकार्ड के घोटाले में महिलाओं का अपमान करते हुए पाया गया लेकिन उसके उपर कोई कार्रवाई नहीं की गई। दिल्ली की महिलाएं अगर अरविंद केजरीवाल को सत्ता में बैठा सकती है तो उन्हें सत्ता में उतारने का काम भी महिलाएं ही करेंगी। आज हुए विरोध प्रदर्शन में प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष श्री जयवीर राणा एवं श्री राजीव बब्बर, प्रदेश भाजपा मीडिया प्रमुख श्री नवीन कुमार जिंदल, प्रदेश मंत्री श्रीमती नीमा भगत, महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री श्रीमती मोनिका पंत, पूर्व प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्षा श्रीमती कवलजीत सहरावत, मोर्चा की जिला अध्यक्षा श्रीमती कुसुम तोमर, श्रीमती सारिका गुप्ता, श्रीमती शोभा शुक्ला, श्रीमती स्मृति सिंह, श्रीमती शिखा माथुर, श्रीमती सुनिता डबास, श्रीमती मोनिका छावड़ा, श्रीमती अनिता जरियाल, श्रीमती मोनिका ठाकुर, श्रीमती दीपिका जैन, श्रीमती ज्योत्सना सोलंकी एवं श्रीमती सुनिता खत्री डबास सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थीं।

संक्षिप्त समाचार

चारा घोटाले से जुड़े मामले में सीबीआई अदालत के सामने पेश हुए लालू प्रसाद

पटना । 23 नवंबर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव चारा घोटाले से संबंधित बांका कोषागार से जुड़े एक मामले में पटना स्थित सीबीआई अदालत में मंगलवार को पेश हुए। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश प्रजेश कुमार ने मामले की सुनवाई की अगली तारीख 30 नवंबर तय की है। न्यायाधीश ने पिछले हफ्ते बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया था। लालू के वकील सुधीर कुमार सिन्हा ने बताया कि इस मामले में गवाही के लिए अदालत द्वारा अगली तारीख 30 नवंबर निर्धारित की गयी है। यह पूछे जाने पर कि क्या मामले की अगली सुनवाई के समय भी राजद सुप्रीमो को पेश होना होगा, सिन्हा ने कहा कि ऐसा अदालत द्वारा कोई आदेश नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा व्यक्तिगत पेशी का जब अदालत का आदेश होगा तो लालू निश्चित तौर पर पेश होंगे। यह पूछे जाने पर कि इस मामले में कुल कितने गवाहों की गवाही होनी है, सिन्हा ने बताया कि यह संख्या लगभग 200 है। लालू को यहां बांका जिले के कोषागार से करीब एक करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में तलब किया गया था। उन्हें झारखंड के कई अन्य जिलों, जो 1990 के दशक के दौरान अविभाजित बिहार का ही हिस्सा थे, से संबंधित ऐसे ही मामलों में पूर्व में ही दोषी ठहराया जा चुका है। पटना स्थित सीबीआई अदालत में पेशी के बाद पत्रकारों ने लालू से बात करने की कोशिश की पर उन्होंने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। इस बीच, राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने बताया कि पार्टी समर्थक बुधवार को लंबे समय के बाद पार्टी सुप्रीमो को अपने बीच पाएंगे जब वह एक विशाल लालटेन को प्रज्वलित करेंगे जोकि पार्टी का चुनाव चिन्ह है। उन्होंने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हमारे पार्टी कार्यालय में लालटेन 24 घंटे जलता रहेगा, जो राजद की अपने सिद्धांतों के प्रति अडिग प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह समारोह राजद के चल रहे रजत जयंती समारोह का हिस्सा होगा।

पंजाब में गो-हत्या के बाद इलाके में तनाव

लुधियाना । गोहत्या की रोकथाम नहीं होने के कारण पंजाब के हिंदू संगठनों में भारी रोष है। जीवन नगर के नजदीक चौकी से थोड़ी दूर गौ-मांस मिलने के बाद तनाव पैदा हो गया है। हिन्दू संगठन पहुंचे और उन्होंने भारी हंगामा किया। हिंदू संगठनों के सदस्य गो हत्या के विरोध में धरने पर बैठ गए। बाद में पहुंची पुलिस ने धरने पर नहीं बैठने दिया। जानकारी के अनुसार स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। पुलिस ने एक गाय का कटा सिर और धड़ बरामद किया है। जिस गाय की हत्या की गई वह गर्भवती थी। उसके पेट से बछड़ा बरामद किया गया है। हिन्दू संगठनों का कहना है कि पंजाब में मौहाल खराब करने की कोशिश की जा रही है। हिन्दू संगठनों का कहना है कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार कर सजा नहीं दी जाती है तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

मुंबई क्राइम ब्रांच ने किया नकली नोट के रैकेट का पर्दाफाश,एक गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस की क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट ने पायधुनी इलाके में नकली नोट के रैकेट का पर्दाफाश किया है. इस कार्रवाई में क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट ने 1 लाख 60 हजार रुपये के नकली नोट बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपी के पास से उस कंप्यूटर और प्रिंटर को पुलिस ने बरामद किया है, जिसके जरिए वह नकली नोट को छापने का कारोबार कर रहा था. क्राइम ब्रांच के डीसीपी प्रकाश जाधव ने इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कहा कि जानकारी मिलने के बाद हमारी टीम ने वहां छापा मारा और बड़ी संख्या में नकली नोट और इसको बनाने में इस्तेमाल होने वाले दस्तावेजों को बरामद किया है. पूरे मामले की तह तक जाने के लिए हमारी जांच चल रही है. मुंबई क्राइम ब्रांच के आला अधिकारियों के मुताबिक उन्हें अपने गोपनीय सूत्रों से यह जानकारी मिली कि पायधुनी इलाके की करीमी मंजिल नामक इमारत में नकली नोटों को छापने और फिर उसे बाजार में चलाने का कारोबार चल रहा है. इस जानकारी के बाद क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट ने इस इमारत में छापा मारकर आरोपी शब्बीर हाशिम कुरैशी को गिरफ्तार कर लिया. शब्बीर कुरैशी घर में ही कंप्यूटर, प्रिंटर के जरिए लंबे समय से नकली नोट छाप कर वहीं के बाजारों में चलाता था. पुलिस ने नोट छापने में लगने वाले सभी सामान जब्त कर लिए हैं. क्राइम ब्रांच के मुताबिक इस कारोबार में शब्बीर का एक साथी भी शामिल है, जिसकी तलाश की जा रही है. गिरफ्तार किए गए आरोपी शब्बीर पहले एनडीपीएस के मामलों में गिरफ्तार हो चुका है.

लखनऊ-फैजाबाद-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों किनारों पर स्थापित होंगे औद्योगिक गलियारे

अयोध्या । उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) के अधिकार क्षेत्र वाली 65 किमी परिधि के भीतर लखनऊ-फैजाबाद-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों किनारों पर औद्योगिक गलियारे स्थापित करेगी। 100 एकड़ में फैला उद्योग केंद्र, अयोध्या मास्टर प्लान -2031 का हिस्सा बनेगा, जिसे एडीए द्वारा तैयार किया जा रहा है। एडीए के उपाध्यक्ष विशाल सिंह के मुताबिक, अगले महीने मास्टर प्लान को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है और इसे राज्य सरकार की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। अन्य विकास परियोजनाओं के विपरीत, एडीए किसानों से भूमि का अधिग्रहण नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि उद्योगपति सीधे भूमि मालिकों से भूखंड खरीदेंगे और एडीए बुनियादी ढांचा प्रदान करेगा। औद्योगिक केंद्र 100 एकड़ के क्षेत्र को कवर करेगा। नया मास्टर प्लान रिंग रोड से दोनों तरफ प्रस्तावित औद्योगिक गलियारों के साथ फैला हुआ है। राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत लगभग 114 विकास परियोजनाओं को मास्टर प्लान में शामिल किया गया है। राम मंदिर के निर्माण के बीच, अयोध्या आधुनिक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के साथ एक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। शहर में जल्द ही 'त्रेता युग' के माहौल का आह्वान करने वाले उद्यानों के साथ-साथ सभी प्रवेश बिंदुओं पर 'राम द्वार' नामक भव्य दरवाजे होंगे। प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी विकास दीपक कुमार ने कहा कि परियोजना की समय सीमा युद्ध स्तर पर पूरी की जाएगी। बस्ती और गोंडा जिले के गांवों को एडीए के तहत शामिल करने का एक और प्रस्ताव है।

27 दिसंबर से आपकों ट्रेन में मिलेगा लजीज खाना, घर से पूड़ी-सब्जी ले जाने की जरुरत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आने वाले दिनों में आपको ट्रेन में यात्रा करने के दौरान घर से पूड़ी-सब्जी और अचार बांधकर ले जाने की जरूरत नहीं होगी। आपको ट्रेन में पहले की तरह लजीज व्यंजन परोसे जाएंगे। दरअसल कोरोना काल में इस सुविधा को बंद कर दिया गया है। अब, रेल मंत्रालय की कंपनी आईआरसीटीसी आगामी 27 दिसंबर से करीब 50 ट्रेनों में कुकड मील की सुविधा शुरू करने जा रही है।इसमें राजधानी, शताब्दी और दुरंतो एक्सप्रेस आदि शामिल हैं। आमतौर पर राजधानी और शताब्दी जैसी प्रीमियम ट्रेनों में टिकट लेते वक्त ही भोजन का पैसा भी ले लिया जाता है। कारोना काल में यह सुविधा खत्म कर दी गई थी,इसकारण अभी तक जिन यात्रियों ने टिकट बुक करा लिया है, उन्हें भोजन का पैसा चुका कर यह सुविधा लेने का विकल्प दिया गया है। यात्री चाहे तो ट्रेन में भी टीटीई को एक्सेस फेयर टिकट वाली पर्ची के माध्यम से खाने का शुल्क चुका सकते हैं। लेकिन, उसमें आपको भोजन की कीमत के अलावा 50 रुपये और चुकाना होगा। रेलवे का कहना है जो कि यात्री यात्रा के दौरान भोजन चाहते हैं,इसका शुल्क आनलाइन चुका सकते हैं। इसके लिए रेलवे का इंफोमेशन टेक्नोलोजी आर्म क्रिस साफ्टवेयर डेवलप कर रहा है। अपने तरफ से आईआरसीटीसी भी कुछ व्यवस्था कर रही है। इस तरीके से आप प्रति यात्री 50 रुपये का शुल्क बचा सकते हैं। भारतीय रेल ने कहा है कि अगर कोई यात्री पहले से ही खाने का शुल्क नहीं चुकाते हैं और वे ट्रेन में चढ़ने के बाद

आईआरसीटीसी का खाना लेना चाहते हैं,तब इसके लिए उन्हें खाने की कीमत के साथ 50 का अतिरिक्त चार्ज देना होगा। ट्रेन में टिकट चेक करने वाले टीटीई से ईएफटी यष्टि या एक्सेस फेयर टिकट पर वाली पर्ची पर यह शुल्क चुकाया जा सकता है।

अखिलेश की साइकिल पर सवारी को तैयार हुई अपना दल की कृष्णा पटेल

लखनऊ । यूपी सियासी रण फतह करने के लिए समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव हर जतन कर रहे हैं।ओम प्रकाश राजभर और जयंत चौधरी के बाद अखिलेश ने अपनी रणनीति साफ कर दी हैं, उनकी नजर अपने इलाकों में खास जनाधार वाले छोटे दलों पर है।इस कड़ी में समाजवादी पार्टी ने अपना दल से गठबंधन किया है। इसकी घोषणा दल की अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने की।उन्होंने कहा कि हमारा सपा से गठबंधन हो चुका है।समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव से हमारी बात हुई है।समान विचारधारा के लोगों के साथ अब अपना दल का यह गठबंधन हुआ है। अपना दल की अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने कहा कि हम इस गठबंधन के बाद विभिन्न प्रमुख मुद्दों पर काम करने वाले हैं। कृष्णा पटेल ने जरूरी मुद्दों पर काम करने की बात कही।कहा जा रहा है कि इस गठबंधन को लेकर काफी समय से बात की जा रही थी।प्रदेश में कुर्मी समाज के वोटों पर इस गठबंधन के बाद दावा हो रहा है।हालांकि सीटों को लेकर कृष्णा पटेल ने तस्वीर साफ नहीं की।कहा जा रहा है कि जल्द ही दोनों दल इस लेकर कोई औपचारिक ऐलान कर सकते हैं। वहीं कृष्णा पटेल ने परिवारवाद पर कहा, %मेरे लिए सारी बेटियां एक हैं।मुझे कोई खतरा नहीं है।राजनीतिक रूप से खतरा रहता है।मेरी बेटी को बरगलाया गया है।सभी बेटियों को एक स्कूल में एक छत के नीचे पढ़ाया है।

उम्मीद है जल्द धरना खत्म कर घर लौट जाएंगे किसान : अमरिंदर

पटियाला (एजेंसी)।

पूर्व कैप्टन अमरिंदर सिंह ने ट्वीट करते हुए कहा कि वह सभी किसानों को बधाई देते हैं क्योंकि केंद्रीय कैबिनेट ने तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा मुझे विश्वास है कि हमारे किसान जल्द ही अपने परिवारों के साथ वापस आएंगे। यहां बता दें कि पीएम मोदी द्वारा तीन कृषि बिलों को वापस ले लिया गया है परंतु इसके बावजूद भी किसान आंदोलन खत्म नहीं हुआ है। किसानों ने मांग है कि जब तक कृषि बिल संसद में पास नहीं होता तब तक धरना जारी रहेगा।

एक लाख करोड़ से ऊपर की घोषणाएं कीं, बजट 72 हजार करोड़, कैसे वादे पूरे करेंगे केजरीवाल : सिद्धू

अमृतसर (एजेंसी) ।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की तरफ से पंजाब में दीं जा रही गारंटियों पर नवजोत सिद्धू ने सवाल खड़े किए हैं। सिद्धू ने कहा केजरीवाल 26 लाख नौकरियां देने की बात कर रहे हैं। एक नौकरी की 30 हजार रुपए तनख्वाह है और 26 लाख नौकरियों का हिसाब 93000 करोड़ रुपए बनता है। इसके बाद एक महिला को 1000 रुपया महीना देने की बात कही जा रही है, यह 12 हज़ार करोड़ रुपया साल का बनता है। केजरीवाल 2 किलोवाट बिजली फ्री देने की बात कह रहे हैं, जिसका 3600 करोड़ रुपया बनता है। इस सबको मिला कर 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपया बनता है। जबकि बजट 72 हजार करोड़ रुपया है। ऐसे खोखले वायदे करने बंद किए जाने चाहिएं। सिद्धू ने कहा कि मेरा पंजाब माडल यह नहीं कहता कि खजाना खाली कैसे हुआ है, पंजाब माडल यह कहता है कि खजाना भरना कैसे है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने दिल्ली में बढ़िया काम किए हैं, इसीलिए ही उनको दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया गया है, परन्तु पंजाब और दिल्ली में बहुत फर्क है। दिल्ली आत्मनिर्भर है परन्तु पंजाब के सिर 7

लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। सिद्धू ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री जो भी ऐलान करेंगे पार्टी उनके साथ डट कर खड़ी है। पार्टी माडल देगी जिसके साथ खजाना भरेगा।

सोनिया के गढ़ में भाजपा की सेंधमारी, बागी विधासक अदिति सिंह भाजपा में शामिल

लखनऊ (एजेंसी)।

रायबरेली सदर सीट से कांग्रेस से विधायक चुनी गईं अदिति सिंह बीजेपी में शामिल हो गई हैं।अदिति पिछले काफी समय से बीजेपी के करीब रही हैं। बुधवार को वह औपचारिक तौर पर बीजेपी की सदस्य बन गईं।अदिति सिंह के अलावा आजमगढ़ के सगडी से बीएसपी विधायक वंदना सिंह भी बीजेपी में शामिल हो गईं।इस दौरान बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह भी मौजूद रहे। अदिति रायबरेली सदर से कांग्रेस की सीट पर 2017 में पहली बार विधायक बनी थी।लेकिन आदिति सिंह की सबसे बड़ी पहचान है कि वह बाहुबली अखिलेश सिंह की बेटी हैं, अखिलेश सिंह पांच बार के विधायक रहे कुछ वक्त पहले उनका निधन हुआ है और निधन के बाद से ही बीजेपी के ज्यादा करीब रही हैं।

पिछले कुछ समय में सदन में जब-जब वोटिंग के मौके आए अदिति सिंह ने बीजेपी के पक्ष में वोट डाला है, कांग्रेस पार्टी उनकी सदस्यता खत्म करने को लेकर पहले ही विधानसभा अध्यक्ष को लिख चुकी थी। बात दें कि रायबरेली बीजेपी के लिए सबसे कमजोर इलाकों में एक रहा है और रायबरेली की सदर सीट बीजेपी कभी जीत नहीं पाई।अदिति सिंह के तौर पर बीजेपी को एक बड़ा चेहरा जरूर हाथ लगा है।यूपी चुनाव से पहले ये बीजेपी के लिए अहम फैसला हो सकता है। हाल में अदिति ने कृषि कानूनों पर दिए बयान को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी पर निशाना साधकर कहा था कि प्रियंका गांधी के पास मुद्दे नहीं हैं।अदिति सिंह ने कहा था कि कृषि कानून वापस ले लिए गए हैं, तब भी उन्हें (प्रियंका) परेशानी है।वे आखिर चाहती क्या हैं? उन्होंने साफ साफ कहना चाहिए।वे सिर्फ मामले पर राजनीति कर रही है. यानि साफ है वह हालिया समय में कांग्रेस के खिलाफ मुखर रही हैं।

चिटफंड की तरह क्रिप्टोकरेंसीज का बुलबुला जल्दी ही फूटेगा

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने दावा किया है कि चिटफंड की तरह क्रिप्टोकरेंसीज का बुलबुला जल्दी ही फूटेगा और इनमें से अधिकांश का वजूद खत्म होगा। इस समय दुनिया में करीब 6,000 क्रिप्टोकरेंसीज हैं।राजन का कहना है कि इनमें से केवल 1 या दो ही बाकी रह जाएगी। राजन ने कहा कि अधिकांश क्रिप्टो का वजूद केवल इसकारण है, कि कोई बेवकूफ उन्हें खरीदना चाहता है। उन्होंने कहा कि क्रिप्टोकरेंसीज से देश में उसी तरह की समस्याएं होगी जैसी चिट फंड से हुई हैं। चिट फंड्स लोगों से पैसा लेकर फिर गायब हो जाते हैं। क्रिप्टो एसेट्स रखने वाले कई लोगों को आने वाले दिनों में परेशानी होगी। राजन ने कहा कि अधिकांश क्रिप्टो का कोई स्थायी मूल्य नहीं है, लेकिन पेमेंट्स खासकर क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट्स के लिए कुछ क्रिप्टो का वजूद बना रह सकता है। राजन ने कहा कि केंद्र सरकार को देश में इसे आगे बढ़ाने की इजाजत देनी चाहिए। सरकार ने कहना है कि ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी की इजाजत दी जा सकती है। सरकार बिटकॉइन जैसी प्राइवेट क्रिप्टोकरेंसीज पर बैन लगाने के लिए संसद के शीतकालीन सत्र में बिल लाने की योजना बना रही है। इससे देश में अधिकारिक डिजिटल करेंसी का रास्ता भी साफ होगा। इसे आरबीआई जारी करेगा। आरबीआई ने प्राइवेट क्रिप्टोकरेंसीज के खतरों से सरकार को आगाह किया है। गवर्नर शक्तिकांत दास ने

क्रिप्टोकरेंसीज को मेक्रोइकनॉमिक और वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा बताया था।वहीं इंडस्ट्री के सूत्रों के मुताबिक भारत में 10 करोड़ से अधिक लोगों के पास क्रिप्टोकरेंसी है। इसमें युवाओं के साथ सीनियर सिटीजन भी शामिल हैं। भारत में क्रिप्टो ऑनर्स की संख्या अमेरिका से अधिक है। हालांकि होल्डिंग की वैल्यू के हिसाब से अमेरिका आगे है।

पंजाब राज्य की महिलाओं को 1000 रूपये देने की चुनावी घोषणा करने से पहले केजरीवाल दिल्ली की महिलाओं को क्यों नहीं देते? : कृष्णा तीरथ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली सरकार की पूर्व मंत्री श्रीमती कृष्णा तीरथ ने आज दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में आयोजित प्रैस वार्ता में संवाददाताओं को सम्बोधित करते हुऐ कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द ने दिल्ली की महिलाओं के साथ वादा खिलाफी की है। वें पंजाब में जाकर वहां की महिलाओं को सशक्त करने, महिला सुरक्षा प्रदान करने तथा 1000 रूपए महीना देने का वादा कर रहे है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द को पंजाब में जाकर झूठे वादें करने से पहले दिल्ली की महिलाओं से किए गए वादों को पूरा करें और अरविन्द सरकार को दिल्ली की महिलाओं को मासिक भत्ता देना चाहिए। उन्होंने कहा कि वें दिल्ली के मुख्यमंत्री होने के नाते दिल्ली की महिलाओं को सशक्त करना तो दूर वें महिलाओं की सुरक्षा तक नहीं कर नहीं पा रहे है, आंकड़ों के अनुसार भारत की राजधानी दिल्ली में प्रतिदिन 6 बलात्कार हो रहे। आज की इस प्रैस वार्ता में श्रीमती कृष्णा तीरथ के अलावा दिल्ली प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्षा अमृता धवन, मीडिया संचार विभाग के वाईस चैयरमेन अनुज अत्रेय भी मौजूद थे। श्रीमती कृष्णा तीरथ ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द अन्य राज्यों में जाकर महिलाओं को लेकर झूठे वादे कर रहे है लेकिन वें अपने ही राज्य दिल्ली में महिलाओं से किए गए वादें पूरे तक नहीं कर पा रहे है, उन्होंने दिल्ली की महिलाओं को दिल्ली मेट्रों में फ्री सफर का वादा किया था और कांग्रेस की सरकार द्वारा शुरू की गई लाड़ली योजना को भी अरविन्द केजरीवाल ने ठप्प कर दिया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार अरविन्द ने दिल्ली की महिलाओं के साथ वादा खिलाफी की है उसी प्रकार वे पंजाब की महिलाओं के साथ भी करना चाहते है, वें उन्हें 1000 प्रतिमाह देने का झांसा दे रहे है, उन्होंने कहा कि अरविन्द जी पहले सभी योजनाओं को दिल्ली में लागू करें जो वे अन्य राज्यों में लागू करने की बात कह रहे है। उन्होंने कहा कि पंजाब में 18 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं की संख्या 1 करोड़ 10 लाख है, अगर अरविन्द इस योजना को लागू करते है तो कुल 11300 करोड़ बजट के आसपास खर्च होगा जबकि पंजाब राज्य का जीएसटी राजस्व ही प्रतिवर्ष 11800 करोड़ है। उन्होंने अरविन्द द्वारा महिलाओं के खाते में 1000 प्रतीमाह रूपए दिए जाने की घोषणा को मात्र एक चुनावी जुमला बताया।

जिनपिंग के हाथ में सत्ता का मजबूत होना चीन के लिए होगा विनाशकारी

हांगकांग (एजेंसी)।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के हाथों में सत्ता का केंद्रीकरण चीन की विदेशी और आर्थिक संभावनाओं के लिए अच्छा नहीं हो सकता है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (CCP) द्वारा अपनी 'प्रमुख उपलब्धियों और ऐतिहासिक अनुभवों' का जश्न मनाने के लिए एक ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित करने के बाद शी चीन के सर्वशक्तिमान नेता बन गए। प्रस्ताव न केवल शी के लिए तीसरे कार्यकाल की अनुमति देता है बल्कि उनके लिए जीवन भर चीन पर शासन करने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। एचके पोस्ट ने कहा कि शी के हाथ में सत्ता का मजबूत होना चीन के लिए विनाशकारी हो सकता है। यह अन्य चीनी नेताओं को महत्वाकांक्षी बनाता है और साथ ही साथ चीन के पड़ोसियों और पश्चिमी क्षेत्र को भी चिंतित करता है क्योंकि कम्युनिस्ट देश ने शी के शासन के तहत सैन्य क्षमताओं और आक्रामकता में तेजी से वृद्धि देखी है। शी सभी शीर्ष नागरिक और सैन्य पदों पर हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि शी कम से कम 10 साल और सेवा देंगे, जिसका मतलब है कि पोलित ब्यूरो के मौजूदा सदस्य पदोन्नति का मौका खो देंगे। एचके पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार शी चीन में हर चीज के अध्यक्ष बन गए हैं और शासन के हर पहलू पर नियंत्रण रखना चाहते हैं और इस प्रकार सामूहिक नेतृत्व और सर्वसम्मति-आधारित नीति निर्माण को दूर कर रहे हैं। इसके अलावा, शी के शासन में चीन ने अपने पड़ोसियों जैसे दक्षिण पूर्व एशियाई देशों और जापान और दक्षिण कोरिया के साथ दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर में क्षेत्रीय अधिकारों को लेकर बढ़ते झगड़े देखे हैं। इसके अलावा, उसने लद्दाख में भारत के साथ सींग बंद कर दिए हैं, जिसमें खूनी झड़पें देखी गईं। रिपोर्ट के अनुसार इसके अलावा तिब्बतियों के उत्पीड़न, शिनजियांग में उइगर मुसलमानों, हांगकांग में लोगों और ताइवान के लिए सैन्य खतरों ने चीन की छवि साम्राज्यवादियों और वर्चस्ववादी शक्ति के रूप में खराब कर दी है।

शी की विदेश और सैन्य नीतियों का परिणाम चीन के अधिकांश पड़ोसियों को पश्चिमी ब्लॉक में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहा है। जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया-इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सभी प्रमुख शक्तियों ने ऐसे प्लेटफॉर्म बनाए हैं जिनका उद्देश्य अमेरिका और उसके सहयोगियों की मदद से चीन को अलग-थलग करना और चुनौती देना है।

एचके पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सीओवीआईडी -19 महामारी का कुप्रबंधन, हाल ही में अभूतपूर्व बिजली संकट, शी द्वारा बढ़े हुए राष्ट्रवाद की सहायता से वैश्विक शक्तियों के साथ लड़ाई का चीन की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने वाला है।

चीन के खिलाफ अंतरिक्ष रक्षा व साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग करेंगे जापान-वियतनाम

टोक्यो (एजेंसी):

चीन के खिलाफ जापान-वियतनाम ने अंतरिक्ष रक्षा व साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग करने का फैसला किया है। इसके लिए जापान और वियतनाम ने मंगलवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। चीन के बढ़ते वर्चस्व पर चिंताओं के बीच दोनों एशियाई देश अपने सैन्य संबंधों का तेजी से विस्तार कर रहे हैं। परोक्ष रूप से चीन का संदर्भ देते हुए जापान के रक्षा मंत्री नोबुओ किशी ने संवाददाताओं से कहा कि अंतरिक्ष और साइबर क्षेत्र के समझौते का उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में गतिविधियों को देखते हुए समाधान निकालना है, जो मौजूदा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती देती हैं। किशी ने कहा कि वियतनामी समकक्ष फान वान गियांग के साथ उनकी बातचीत ने ''दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है।'' जापान अपने नियंत्रण वाले सेनकाकू द्वीपों के पास चीनी तट रक्षक की उपस्थिति का लगातार विरोध करता रहा है। चीन भी इस क्षेत्र पर दावा करता है और इसे 'डियाओयू' कहता है। जापान के अधिकारियों का कहना है कि चीनी जहाज नियमित रूप से द्वीपों के आसपास जापानी जल क्षेत्र की सीमा का उल्लंघन करते हैं। कई बार मछली पकड़ने वाली नौकाओं को भी धमकाया जाता है। किशी ने यह भी कहा कि उन्होंने जापानी जल और हवाई क्षेत्र के पास चीन और रूस द्वारा संयुक्त सैन्य गतिविधियों में वृद्धि पर चिंता जताई है। वियतनाम 11वां देश है, जिसके साथ जापान ने रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं क्योंकि तोक्यो अपने स्वयं के संघर्षरत रक्षा उद्योग का समर्थन करना चाहता है। जापान अपने पुराने सहयोगी अमेरिका से परे सैन्य सहयोग का विस्तार करना चाहता है और उसने ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, फिलीपीन और इंडोनेशिया के साथ इसी तरह के समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

खरबों का 'दुर्लभ खजाना' हथियाने अफगानिस्तान पहुंची चीनी कंपनियां, शुरू किया काम

(एजेंसी).

चीन ने अब अफगानिस्तान में छिपे खरबों रुपए के दुर्लभ खजाने को हथियाने की कोशिशें शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान की धरती के नीचे छिपे खरबों रुपये के दुर्लभ धातुओं को बाहर निकालने व इसके उत्पादन को लेकर की खोज करने के लिए चीनी कंपनियांवहां पहुंच अपना काम शुरू कर चुकी है। चीनी कंपनियों की ये टीम अफगानिस्तान के गर्भ में छिपे बेहद दुर्लभ माने जाने वाली धातु लिथियम का खोज करने के लिए आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक चीन का प्रतिनिधिमंडल अफगानिस्तान में लिथियम निकालने की संभावनाओं पर विचार कर रहा है और उन जगहों पर निरिक्षण की जा रही है, जहां पर लिथियम होने की संभावना है।

बता दें कि लिथियम को बेहद दुर्लभ धातु कहा गया है और आने वाले वक्त में लिथियम जिसके पास होगा, वही दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाएगा। चीनी अखबार ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की कई कंपनियों ने अफगानिस्तान से दुर्लभ धातुओं को निकालने में दिलचस्पी दिखाई है, लेकिन ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि, अफगानिस्तान में अभी भी नीति, सुरक्षा और इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की पांच कंपनियों के अधिकारियों को अफगानिस्तान में दुर्लभ धातुओं के परीक्षण के लिए विशेष वीजा दिया गया है, जो इस वक्त अफगानिस्तान में उन जगहों पर मौजूद हैं, जहां पर लिथियम होने की संभावना जताई गई है। ये टीम शुरूआती जांच करेगी और फिर उसकी रिपोर्ट चीन की सरकार को सौंपेगी। इस टीम के डायरेक्टर यू मिंगहुई ने कहा कि, 'वे चाइनाटाउन पहुंचे हैं और अपनी योजना के अनुसार अफगानिस्तान में निरिक्षण कर रहे हैं'।

पाकिस्तान की सांस्कृतिक राजधानी दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर

इंटरनेशनल डेस्क: पाकिस्तान की सांस्कृतिक राजधानी लाहौर के ऊपर धुंध का घना बादल छा गया है और इसके साथ ही बुधवार को यह दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया। एक स्विस वायु गुणवत्ता निगरानी कंपनी ने यह जानकारी दी है। AQI 2 एयर मंच ने कहा कि लाहौर प्रदूषित शहरों की उसकी सूची में सबसे ऊपर है और अमेरिकी पैमाने के अनुसार लाहौर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI 203) रहा जबकि दिल्ली दूसरे नंबर पर है और वहां का सूचकांक 183 दर्ज किया गया। कंपनी के अनुसार ढाका (बांग्लादेश) 169 सूचकांक के साथ तीसरे और कोलकाता 168 सूचकांक के साथ चौथे नंबर पर रहा। एक दिन पहले लाहौर तीसरे स्थान पर था। लाहौर को कभी बागों का शहर कहा जाता था और 16वीं से 19वीं शताब्दी के बीच मुगल काल के दौरान यहां बड़ी संख्या में बाग थे। तेजी से शहरीकरण और बढ़ती आबादी के कारण अब शहर में बहुत कम हरियाली बची है। लाहौर, कराची के बाद पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। डॉक्टर लोगों को सांस संबंधी बीमारियों से बचने के लिए मास्क पहनने की सलाह दे रहे हैं।

अमेरिका में कोरोना से फिर बिगड़े हालात, रोज 92 हजार से ज्यादा मामले आ रहे सामने

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका में कोरोना महामारी अपना प्रकोप दिखा रही है और एक साल बाद फिर यहां हालात बिगड़ते जा रहे हैं। संक्रमण के मामले पिछले एक सप्ताह में 18 फीसदी की औसत दर से लगातार बढ़ रहे हैं और प्रतिदिन 92,800 संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। यह बढ़ोतरी देश के कई हिस्सों में देखी जा रही है जो पिछले साल कोविड-19 के उछाल के दौरान देखी जा रही थी। देश अभी भी 4.87 करोड़ संक्रमितों और 7.94 लाख मौतों के साथ दुनिया में पहली पायदान पर बना हुआ है। अमेरिका में स्वास्थ्य संक्रमण सेवाओं के निदेशक डॉ. एंथनी फॉसी ने इस सप्ताह बढ़ने वाले मामलों को लेकर पहले ही आगाह किया है। उन्होंने कहा कि देश में टीकों की कमी नहीं है लेकिन कई लोग खुराक लेने से बच रहे हैं और क्रिसमस में सार्वजनिक जगहों पर खुलकर हिस्सा ले रहे हैं। इससे महामारी एक बार फिर पैर पसार सकती है। अमेरिकी स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग की एजेंसी द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार कोविड -19 के पुष्ट या संदिग्ध मामलों वाले मरीज एक साल पहले की तुलना में देश के 15 राज्यों में अधिक आईसीयू बेड ले रहे हैं। कोलोराडो, मिनेसोटा और मिशिगन में हालात ज्यादा खराब हैं। यहां अस्पतालों में भर्ती दर क्रमशः 41, 37 और 34 प्रतिशत है। मिशिगन में क्रिसमस पर सार्वजनिक कार्यक्रम धड़ल्ले से जारी हैं। उधर, व्हाइट हाउस की ओर से जेफ जेंट्स ने देश में लॉकडाउन की आशंका से इनकार किया। अमेरिका के सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने जर्मनी और डेनमार्क की यात्रा को लेकर चेतावनी जारी की है। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को लेकर यूरोपीय देशों की यात्रा के लिए जारी इस एडवाइजरी में यात्रा टालने के लिए कहा गया है। फिलहाल सीडीसी ने दुनिया भर में 75 जगहों को लेकर यात्रा प्रतिबंध जारी किया है जिसमें अधिकतर यूरोपीय देश ही हैं।

अमेरिका में सीमा पार से आने वाले लोगों के लिए पूर्ण टीकाकरण होगा अनिवार्य

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन सीमा पार से आने वाले सभी लोगों जिनमें ट्रक चालक, सरकारी तथा आपात सेवा अधिकारी आदि शामिल हैं, के लिए पूर्ण टीकाकरण अनिवार्य कर सकते हैं और यह नियम 22 जनवरी से लागू हो सकता है। बाइडेन प्रशासन जल्द इस संबंध में घोषणा कर सकता है। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस नियम पर व्हाइट हाउस ने अक्टूबर में विचार किया था। यह नियम देश की भू-सीमा को पार कर आने वाले लोगों के लिए होगा। अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर 'एपी' को बताया कि नौकाओं के जरिए आने वाले आवश्यक सेवाओं में कार्यरत लोगों का भी पूर्ण टीकाकरण अनिवार्य है। ये नियम उन लोगों से संबंधित हैं, जो अमेरिका के नागरिक नहीं हैं। अमेरिकी नागरिक और स्थाई निवासी पूर्व में जारी दिशानिर्देश के अनुसार देश में प्रवेश कर सकते हैं। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्र के अनुसार, अमेरिका में अभी तक 4.7 करोड़ व्यस्कों को कोविड-19 रोधी टीके नहीं लगे हैं।

संकट में अफगानिस्तान, ठप्प होने के कगार पर बैंकिंग सिस्टमः UNDP report

काबुल (एजेंसी):

अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद से यहां के लोगों के बुरे दिन शुरू हो गए। आतंकी हमले, भुखमरी, बेरोजगारी के बाद अब अफगानिस्तान के सामने एक नया व बड़ा संकट खड़ा हो गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुताबिक अफगानिस्तान का बैंकिंग सिस्टम कभी भी ध्वस्त हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि तालिबान के कब्जे के बाद से अफगानिस्तान में बैंकिंग और फाइनेंशियल सिस्टम ध्वस्त होने की कगार पर पहुंच गए हैं। ऐसे में अफगानिस्तान के बैंकों को बढ़ावा देने के लिए तत्काल कार्रवाई करने पर जोर दिया जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र संघ ने चेतावनी दी कि कर्ज चुकाने में असमर्थ नागरिकों, कम जमा और नकदी की कमी के कारण वित्तीय प्रणाली कुछ महीनों के भीतर ही ध्वस्त हो सकती है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार अफगानिस्तान की बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली पर तीन-पेज की रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली के ध्वस्त होने पर उसको फिर से बनाने में लगने वाली आर्थिक लागत और उसके नकारात्मक सामजिक प्रभावी बहुत भयावह होंगे। अफगानिस्तान में तालिबान के अगस्त में सत्ता सम्भालने के बाद उपजी अनिश्चितता के कारण अचानक पीछे हटे विदेशी निवेश ने वहां की अर्थव्यवस्था को फ्रीफॉल में ले जाने का कार्य किया। संयुक्त राष्ट्र ने सोमवार को एक आपातकालीन रिपोर्ट जारी करते हुए अफगानिस्तान के बैंकों को बढ़ावा देने के लिए तत्काल कार्रवाई करने पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि ऋण चुकाने में असमर्थ नागरिकों, कम जमा और नकदी की कमी के कारण बैंकिंग प्रणाली पर एक गंभीर दबाव पडा। इसीलिए वहां पर नकदी को खत्म होने से रोकने के लिए साप्ताहिक निकासी की एक सीमा का निर्धारण करने की आवश्यकता पड़ी थी। UNDP ने बैंकिंग प्रणाली को बचाने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें एक जमा बीमा योजना, लघु और मध्यम अवधि की जरूरतों के लिए पर्याप्त लिक्विडिटी के साथ ही साथ क्रेडिट गारंटी और ऋण चुकाने में देरी का विकल्प शामिल है।

अब पाकिस्तानी तालिबान से दोस्ती गांठ रही इमरान सरकार, TTP के 100 आंतकी किए रिहा

इस्लामाबाद (एजेंसी):

पाकिस्तान सरकार का अफगान तालिबान और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के प्रति अलग नजरिया रहा है। अफगान तालिबान को उसका संरक्षण रहा जबकि टीटीपी को वह दुश्मन समझती रही है। बीते वर्षों में टीटीपी पाकिस्तान में कई भयानक हमले कर चुका है इसके बावजूद पाकिस्तान सरकार ने इस महीने की शुरुआत में संघर्ष विराम के बदले में 100 से अधिक तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) कैदियों को रिहा कर दिया। इस रिहाई को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं कि आखिर इमरान सरकार ने टीटीपी के 100 बंदियों को रिहा करने का फैसला कियो किया? इमरान सरकार का कहना है कि ऐसा उसने सद्भावना दिखाने के लिए किया है। पाकिस्तान के अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि रिहा किए गए ज्यादातर दहशतगर्द वे हैं, जो सरकार की डिरैडिकलाइजेशन (उग्रवाद से दूर करने की) प्रक्रिया का हिस्सा थे। लेकिन उनके मामले में छह महीनों की ये प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई थी। एक सरकारी अधिकारी ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया- जिन्हें रिहा किया गया है, उनमें से ज्यादातर का डि-रैडिकलाइजेशन का कोर्स पूरा नहीं हुआ था। कैदियों की रिहाई को इस खबर की पुष्टि के तौर पर देखा गया है कि इमरान खान सरकार और टीपीपी के बीच किसी स्थायी समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। हालांकि सरकार की तरफ से ये सफाई दी गई है कि ये रिहाई टीटीपी की किसी मांग को पूरा करने के लिए नहीं हुई है। इसके पहले इस महीने की आठ तारीख को टीटीपी ने ऐलान किया था कि उसकी एक महीने के युद्धविराम के लिए सरकार के साथ सहमति बन गई है। तब टीटीपी ने कहा था कि अगर दोनों पक्ष सहमत हुए तो युद्धविराम की अवधि और बढ़ाई जाएगी। साथ ही उसने जोर दिया था कि एक दूसरे पर हमला ना करने की बनी सहमति दोनों पक्षों पर समान रूप से लागू होगी। TTP के इस बयान के बाद पाकिस्तान के सूचना मंत्री चौधरी फव्वाद हुसैन ने पुष्टि की थी कि सरकार ने टीटीपी प्रतिनिधियों से बातचीत की है। लेकिन उन्होंने कहा था कि ये बातचीत पूरी तरह देश के संविधान और कानून के दायरे में हुई है। हुसैन ने इस बात की भी पुष्टि की थी कि TTP और पाकिस्तान सरकार के बीच संपर्क बनाने में अफगान तालिबान ने भूमिका निभाई है। अब खबर है कि सरकारी और TTP के प्रतिनिधियों के बीच अफगानिस्तान में तीसरे दौर की बातचीत हुई। उनमें एक दौर की वार्ता काबुल में हुई, जबकि दो दौर की बातचीत खोस्त में हुई। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया है कि दोनों पक्षों ने ऐसी कई साझा समितियां बनाई हैं। विपक्षी दलों ने टीटीपी के साथ समझौता करने के लिए इमरान खान के नेतृत्व वाली पीटीआई सरकार की आलोचना की है।

ताइवान जलडमरूमध्य से गुजरा अमेरिकी नौसेना का विध्वंसक पोत, भड़क गया चीन

बीजिंग (एजेंसी):

चीन ने ताइवान जलडमरूमध्य से होकर अमेरिकी नौसेना के एक विध्वंसक पोत के गुजरने पर मंगलवार को विरोध जताते हुए इसे क्षेत्र में स्थिरता को कमजोर करने के लिए जानबूझ कर उठाया गया कदम बताया। अमेरिकी नौसेना ने एक बयान में कहा कि अरलेग बर्क श्रेणी का दिशानिर्देशित-मिसाइल विध्वंसक यूएसएस मिलियस अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक मंगलवार को नियमित रूप से ताइवान जलडमरूमध्य से होकर गुजरा। इसने कहा कि पोत का जलडमरूमध्य से होकर गुजरना एक मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। सातवें बेड़े की वेबसाइट पर पोस्ट किये गये बयान में कहा गया है, ''अमेरिकी सेना कहीं से भी होकर गुजर सकती है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कानून अनुमति देता हो।'' चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा कि अमेरिकी युद्ध पोत शक्ति प्रदर्शन कर रहे हैं और नौवहन की स्वतंत्रता के बहाने ताइवान जलडमरूमध्य में बार-बार संकट पैदा कर रहे हैं। झाओ ने दैनिक प्रेस वार्ता में कहा, ''यह स्वतंत्रता एवं खुलेपन के प्रति प्रतिबद्धता नहीं है बल्कि क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता में खलल डालने तथा उसे कमजोर करने के लिए जानबूझ कर की गई कोशिश है।'' उल्लेखनीय है कि अमेरिकी नौसेना के जहाज नियमित रूप से ताइवान जलडमरूमध्य से होकर गुजरते हैं, जो अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में पड़ता है और दक्षिण चीन सागर एवं उत्तरी जल क्षेत्र के बीच इसके मुख्य हिस्से का उपयोग चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और अन्य देश करते हैं।

भारतीय छात्रों की वापसी के बारे में चीन का रुख अब भी स्पष्ट नहीं

बीजिंग. चीन ने मंगलवार को कहा कि चीनी विश्वविद्यालयों में अध्ययन कर रहे आसियान देशों के छात्रों को शीघ्र वापस आने की वह अनुमति देगा, लेकिन कोविड-19 से जुड़ी बीजिंग की वीजा पाबंदियों के चलते पिछले साल से स्वदेश में अटके हुए 23,000 से अधिक भारतीय छात्रों की वापसी पर उसका रुख अस्पष्ट बना हुआ है। चीन-आसियान देशों के सम्मेलन में आसियान देशों के छात्रों के शीघ्र लौटने का उल्लेख किये जाने और भारत एवं दक्षिण एशिया के छात्रों को भी क्या बीजिंग अनुमति देगा, इस बारे में पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय प्रवक्ता झाओ लिजियान ने यहां प्रेस वार्ता में कहा कि चीन विदेशी छात्रों को लौटने के लिए एक समन्वित तरीके की व्यवस्था पर विचार कर रहा है। आसियान देशों में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया,लाओस, मलेशिया, म्यामां, फिलीपीन, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। लिजियान ने कहा,''विदेश छात्रों के अध्ययन के लिए चीन लौटने के बारे में कोविड-19 के बीच सुरक्षा सुनिश्चित करने के आधार पर हम समन्वित तरीके वाली एक व्यवस्था पर विचार करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''साथ ही, मैं फिर से जोर देते हुए कहना चाहूंगा कि महामारी की उभरती स्थिति के आलोक में चीन वैज्ञानिक विश्लेषण पर आधारित समन्वित तरीके से रोकथाम व नियंत्रण उपायों पर फैसला करेगा।''

पाक के ग्वादर में चीन के CPEC प्रोजेक्ट का बढ़ा विरोध, सैंकड़ों लोगों ने दिया धरना

पेशावर (एजेंसी)।

पाकिस्तान के ग्वादर जिले में चीन की बेल्ट और सड़क परियोजना के खिलाफ विरोध तेज हो गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार ग्वादर पोर्ट की वजह से बनी अनावश्यक चौकियों, पानी और बिजली की भारी कमी व अवैध रूप से मछली पकड़ने कारण लोगों को अपनी आजीविका के खतरे की आशंका है। इन मुद्दों को लेकर सैंकड़ों लोगों ने धरना दिया जिसका नेतृत्व जमात-ए-इस्लामी (JI) बलूचिस्तान के प्रांतीय महासचिव मौलाना हिदायत-उर-रहमान ने किया। मौलाना हिदायत चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (CPEC) के खिलाफ क्षेत्र में कई प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे हैं। ग्वादर के अलावा पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के जांद शहर में रहने वाले सैकड़ों लोग निर्माणाधीन CPEC रोड पर जमा हो गए और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचए) और अन्य अधिकारियों के खिलाफ अपने क्षेत्रों में सर्विस रोड का निर्माण नहीं करने के लिए विरोध प्रदर्शन किया। डॉन ने बताया कि मेगा प्रोजेक्ट के कारण लोग एक-दूसरे से कट गए हैं। 2015 में शुरू की गई 46 अरब डॉलर की CPEC परियोजना षणा के बाद से ही विवादों में है। स्थानीय लोग बलूचिस्तान में चीन की बढ़ती भागीदारी का विरोध कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि CPEC परियोजना से बलूचिस्तान के लोगों को लाभ नहीं हुआ है जबकि अन्य प्रांतों के लोग मेगा परियोजना का लाभ उठा रहे हैं। इस योजना के प्रति विरोध बढ़ता जा रहा है। लोग चीन की परियोजनाओं को अतिक्रमणकरण के रूप में देखते हैं जो इस क्षेत्र से सारी संपत्ति को निचोड़ रहे हैं। डॉन के अनुसार कुछ हफ्तों के भीतर बंदरगाह शहर में यह दूसरा ऐसा सामूहिक विरोध है। अक्टूबर में भी ग्वादर और तुर्बत के हजारों निवासी पीने के पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं की अनुपलब्धता और मकरान डिवीजन में बढ़ती बेरोजगारी के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए वहां एकत्र हुए थे।

जापानी परिधान निर्माताओं ने चीन के झिंजियांग कपास का किया बहिष्कार

(एजेंसी):

जापान की दो प्रमुख परिधान कंपनियों ने बंधुआ मजदूरी के आरोपों के कारण चीन के झिंजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र से आने वाले कपास का उपयोग बंद करने का निर्णय किया है। सान्यो शोकाइ का कहना है कि वह अगले बसंत और गर्मियों के कपड़ों के लिए इस क्षेत्र के कपास का उपयोग नहीं करेगी। TSI होल्डिंग्स ने कहा कि उसने इस शरद ऋतु और सर्दियों के कपड़ों के लिए झिंजियांग कपास का उपयोग बंद कर दिया है और उपयोग बहाल करने की कंपनी की कोई तत्काल योजना नहीं है। खेलों का सामान बनाने वाली कंपनी मिजुनो और परिधान कंपनी वर्ल्ड ने भी ऐसा ही किया है। इस बीच परिधान श्रृंखला युनिक्लो की संचालक फास्ट रिटेलिंग ने संभावित मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए क्षेत्र में कपास किसानों का निरीक्षण करने के लिए एक दल का गठन किया है। निक्केई एशिया के मुताबिक मिजुनो के अलावा एक प्रमुख अंडरवियर निर्माता गुंजे ने भी झिंजियांग से कपास की सोर्सिंग बंद कर दी है। झिंजियांग कॉटन का बहिष्कार कठिन रहा है क्योंकि यह उनकी आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और उत्पाद विकास के लिए चुनौतियां पैदा करता है। लेकिन चीन में ज्यादातर मुस्लिम उइगर अल्पसंख्यक समूह के सदस्यों को जबरन मजदूरी के रूप में इस्तेमाल किए जाने के आरोपों पर बढ़ती उपभोक्ता प्रतिक्रिया के बीच उन्हें यह कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। बता दें कि चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपास उत्पादक है जिसमें झिंजियांग देश के उत्पादन का 80% से 90% हिस्सा है।

हालांकि कई उद्योग अधिकारियों का कहना है कि झिंजियांग कपास को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से पूरी तरह खत्म करना असंभव है। कुछ जापानी कपड़ों के ब्रांड भी आपूर्तिकर्ताओं द्वारा सामाजिक रूप से जिम्मेदार आचरण सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रयासों को आगे बढ़ा रहे हैं।

निक्केई एशिया के अनुसार, फास्ट रिटेलिंग, जो यूनीक्लो कैजुअल क्लोदिंग ब्रांड का संचालन करती है, ने संभावित मानवाधिकारों के हनन और अन्य नैतिक उल्लंघनों के लिए कपास सहित, इसके द्वारा उपयोग की जाने वाली सामग्रियों के उत्पादन की सीधे निगरानी करने के लिए एक प्रणाली स्थापित की है। कंपनी के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी तदाशी यानाई ने नैतिक उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए कपास किसानों के लिए आपूर्ति श्रृंखला में उच्च स्तर की ट्रैसेबिलिटी को सुरक्षित करने का वादा किया है।

सुविचार जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते। - स्वामी विवेकानंद

धन्यवाद दिवस - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

'धन्यवाद दिवस' का अपना ही महत्त्व है। यह दिन यूरोप और दूसरे देशों से आए लोगों ने अमेरिका के लोगों को सहायता देने के उपलक्ष्य में शुरू किया था, परंतु समय के साथ-साथ यह दिन 'धन्यवाद दिवस' के रूप में प्रचलित हो गया। कई बार जब हमें किसी से कोई भी चीज मिलती है तो हम उन्हें धन्यवाद कहते हैं। चाहे यह हमारे परिवार, मित्रों, शिक्षकों, समाज और देश से मिले। इसके अलावा हम प्रभु से मिले सभी उपहारों के लिए भी उनका धन्यवाद करते हैं।

हमें अपने जीवन में सबसे पहले पिता-परमेश्वर का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि उन्होंने हमें ये मानव शरीर दिया है। चौरासी लाख जियाजून में केवल इस शरीर में ही हम अपने आपको जान सकते हैं और पिता-परमेश्वर को पा सकते हैं। इसके अलावा हमारे जीवन में प्रभु ने हमें अनेक बरकतें दी हैं। यदि हम एक स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहे हैं तो हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि ऐसे बहुत से लोग हैं जो किसी गंभीर बीमार से पीड़ित हैं। यदि हमें प्रत्येक दिन भोजन मिल रहा है तो इसके लिए भी हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि बहुत से लोगों को दो वक्त का भी भरपेट भोजन नसीब नहीं है। यदि हम देख, सुन और बोल पा रहे हैं तो इसके लिए भी हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि इस दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं जो न तो देख पाते हैं, न ही सुन पाते हैं और न ही बोल पाते हैं।

यदि हम आर्थिक रूप से संपन्न है तो इसके लिए भी हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि हम यह देखते हैं कि गरीबी के कारण जीवन में अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। यदि हम अपने परिवार के साथ रह रहे हैं तो इसके लिए भी हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि ऐसे बहुत से लोग हैं जोकि अनाथ हैं। इस तरह हम देखते हैं कि हमारे जीवन में प्रभु की अपार दयामेहर है तो इसलिए न सिर्फ धन्यवाद दिवस पर बल्कि हर रोज हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए।

धन्यवाद दिवस पर हम केवल प्रभु का धन्यवाद करने तक ही सीमित न रहें बल्कि इस दिन हम यह भी प्रण करें कि प्रभु से मिली इन खुशियों को हम सबके साथ बाटेंगे और दूसरों की सेवा करेंगे। हम कई तरह से अपना सहयोग दे सकते हैं जैसे कि शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप में। हमें दूसरों की सहायता निस्वार्थ भाव से करनी चाहिये। यदि कोई बीमार है तो हम उसकी शारीरिक रूप से मदद कर सकते हैं। अगर किसी को मानसिक रूप से परेशानी है तो हम उसे समझाकर उसकी मदद कर सकते हैं और यदि कोई आर्थिक संकट का सामना कर रहा है तो हम अपनी क्षमता के अनुसार उसकी मदद कर सकते हैं।

आध्यात्मिक रूप से किसी की मदद केवल संत और गुरु ही कर सकते हैं क्योंकि वे लोगों को ध्यान-अभ्यास के द्वारा प्रभु की ज्योति और श्रुति से जोड़ते हैं। वे उनकी आत्मा को प्रभु से मिलाने में मदद करते हैं। ऐसे जिज्ञासु जो सच्चाई और प्रभु को पाने की इच्छा रखते हैं, वे उन्हें अनुभव कराते हैं कि इस भौतिक संसार के अलावा भी कुछ है। प्रभु मिलन में उनकी तरक्की तेज हो सके इसके लिए वे शिष्य को ध्यान-अभ्यास में बैठने के लिए प्रेरित करते हैं ताकि वे उनकी आत्मा को इस भौतिक संसार से निकाल कर सच्चे घर सचखंड पहुँचा सकें।

तो आईये! धन्यवाद दिवस पर हम यह संकल्प लें कि हम न सिर्फ प्रभु से मिली बरकतों का धन्यवाद करेंगे बल्कि दूसरों की भी मदद करेंगे। यदि हम ऐसा करते हैं तो हम देखेंगे कि इस दुनिया में कोई भी व्यक्ति किसी भी चीज से वंचित नहीं रहेगा। ऐसा करके हम एक ऐसे संसार के निर्माण में सहायता करेंगे जिसमें प्यार, दूसरों को देना, और एक-दूसरे का ख्याल रखना महत्त्वपूर्ण होगा। यदि हर व्यक्ति ऐसा जीवन जीने का प्रण ले तो हम देखेंगे कि वह दिन दूर नहीं जब इस धरती पर प्रभु के राज्य की स्थापना होगी।

वसीयत व विरासत

श्रीराम शर्मा आचार्य

बच्चे बड़ों से कुछ चाहते हैं, सो ठीक है, पर बड़े बदले में कुछ न चाहते हों ऐसी बात भी नहीं। नियत स्थान पर मल-मूत्र त्यागने, शिष्टाचार समझने, हंसने-हंसाने, वस्तुएं न बिखरने देने, पढ़ने जाने जैसी अपेक्षाएं वे भी करते हैं। जितना सम्भव है, उतना तो उन्हें भी करना चाहिए। हमारी अपेक्षाएं भी ऐसी ही हैं। गोवर्धन उठाने वाले ने अपने अनगढ़ ग्वाल बालों के सहारे ही गोवर्धन उठाकर दिखाया था। हनुमान की बात किसी ने नहीं सुनी तो अपने सहचर रीछ-वानरों को ही समेट लाए। नव-निर्माण के कंधे पर लदे उत्तरदायित्व को वहन करने में हम अकेले ही समर्थ नहीं हो सकते थे। यह मिल-जुलकर सम्पन्न हो सकने वाला कार्य था। सो समझदारों में से कोई हाथ न लगा तो अपने इसी बाल-परिवार को लेकर जुट पड़े और जो कुछ, जितना-कुछ सम्भव हो सका करते रहे। अब तक की प्रगति का यही सार संक्षेप है। बात अगले दिनों की आती है। हमें अपने बच्चों के लिए क्या करना चाहिए। इस कर्तव्य उत्तरदायित्व का सदा ध्यान रहा है और जब तक चेतना का अस्तित्व है, उसका स्मरण दिलाने योग्य बात एक ही है कि हमारी आकांक्षा और आवश्यकता को भुला न दिया जाए। समय विकट है। इसमें प्रत्येक परिजन का समयदान और अंशदान हमें चाहिए। जितना मिलता रहा है, उससे भी अधिक मात्रा में, क्योंकि जो करना है, उसके लिए तत्काल कदम उठाने हैं। सो भी बड़े कामों के लिए बड़े-बड़े लोग चाहिए, बड़े साधन भी। हमारे परिवार का हर व्यक्ति बड़ा है। छोटेपन का तो उसने मुखौटा भर पहन रखा है। उतारने भर की देर है कि उसका असली चेहरा दृष्टिगोचर होगा। भेड़ों के समूह में पले सिंह शावक की कथा अपने प्रज्ञा परिजनों में से प्रत्येक के ऊपर लागू होती है या हो सकती है। हमारे मार्गदर्शक ने एक पल में क्षुद्रता झटक कर महानता का परिधान पहना दिया था। इस कायाकल्प में मात्र इतना ही हुआ था कि लोभ, मोह की कीचड़ से उबरना पड़ा। जिस-तिस के सत्परामशरे आग्रहों की उपेक्षा करनी पड़ी और आत्मा-परमात्मा के संयुक्त निर्णय को शिरोधार्य करने का साहस जुटाना पड़ा है। एकाकी चलने का आत्मविश्वास जागा और आदशरे को भगवान मानकर कदम बढ़े। इसके बाद एकाकी नहीं रहना पड़ा और न साधनहीन, उपेक्षित स्थिति का कभी आभास हुआ। सत्य का अवलम्बन अपनाने भर की देर थी कि असत्य का कुहासा अनायास ही हटता चला गया।

पुलिस आयुक्त प्रणाली: प्रबल इच्छाशक्ति से होगा अमल

- डॉ. अजय खेमरिया

मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की इस बात के लिए सराहना की जाना चाहिए कि उन्होंने भारतीय शासन तंत्र के सबसे ताकतवर दबाव को दरकिनार कर इंदौर और भोपाल जैसे महानगरों में पुलिस आयुक्त प्रणाली अप्रैल 2022 से लागू करने का निर्णय ले लिया है। प्रदेश के इन दो महत्वपूर्ण शहरों में अब पुलिस कमिश्नर होंगे, इससे पहले 11 राज्यों के 74 शहरों में यह सिस्टम काम कर रहा है। इसलिये कहा जा सकता है कि इस निर्णय में नया क्या है? असल में पुलिस कमिश्नर प्रणाली भारत में सबसे ताकतवर कही जाने वाले आईएएस बिरादरी के परंपरागत और सामंती प्रभुत्व को चुनौती देने वाली प्रशासनिक व्यवस्था है। पूरी दुनिया में भारत की आईएएस बिरादरी को सबसे ताकतवर के साथ जड़ और परंपरागत माना जाता है। आजाद भारत में शासन और राजनीति का अनुभव इस मान्यता को स्वयंसिद्ध करता है। वस्तुतः यह सामान्य धारणा है कि आईएएस ही भारत को चलाते हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री के रूप में इस लॉबी के अधिकारों को सीमित करने और उन्हें आईपीएस संवर्ग में हस्तांतरित कर बहुत कठिन राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया है। इस प्रणाली को रोकने के लिए आईएएस लॉबी हर राज्य में समवेत होकर सक्रिय होती रही है। मप्र में इससे पहले भी कमिश्नर सिस्टम की चार बार घोषणा हो चुकी है लेकिन अमल अभी तक नहीं हो पाया है तो इसके पीछे आईएएस अफसरों का दबाव ही मुख्य है। इस आयुक्त प्रणाली को हमेशा ही आईएएस लॉबी के कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा है। उत्तर प्रदेश का एक रोचक किस्सा है जो इस प्रणाली की आईएएस वर्ग के लिए अहमियत को बताता है। 40 साल पहले 1979 में तत्कालीन मुख्यमंत्री रामनरेश यादव ने कानपुर शहर के लिए पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू की थी लेकिन तब के पुलिस कमिश्नर को कानपुर पहुँचते ही वापस बुला लिया गया था। मुख्यमंत्री पर लखनऊ में आईएएस लॉबी ने इतना दबाव बना दिया कि उन्हें मजबूर होकर कमिश्नर नियुक्त किये गए श्री त्रिपाठी को फोन लगाकर ज्वाइनिंग से पहले ही वापस बुलाना पड़ा। मायावती को अफसरशाही के विरुद्ध सख्त मिजाज सीएम गिना जाता है लेकिन वह भी इस मामले में निर्णय नहीं कर सकीं। अखिलेश यादव ने 2017 में अपने कार्यकाल के अंतिम दौर में इस आशय के प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की कोशिशें की थी। लेकिन वह भी सफल नहीं हुए। असल में अभी तक का अनुभव भी इस मामले में आईएएस की अपरिमित ताकत और मनमर्जी की तस्दीक करते हैं। मप्र के ताकतवर सीएम रहे दिग्विजय सिंह ने 14 मई 2001 को प्रदेश के दो बड़े शहर इंदौर और भोपाल में पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू करने की घोषणा की लेकिन वह ढाई साल तक इसे लागू नहीं कर पाए और 2003 में सत्ता से बाहर हो गए। 28 फरवरी 2012 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कमिश्नर सिस्टम लागू करने का एलान किया था लेकिन अपने इस दूसरे कार्यकाल में वह इसे आगे नहीं बढ़ा पाए। तीसरे कार्यकाल में जनवरी 2018 में भी शिवराज सिंह ने इंदौर, भोपाल में नए पुलिस कमिश्नर की नियुक्ति की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। लेकिन सरकार प्रदेश में ताकतवर आईएएस लॉबी के आगे फिर इसे लागू नहीं करा सकी। बहुमत और राजनीतिक ताकत के मामले में दिग्विजय सिंह और शिवराज सिंह प्रदेश के चुनौती शून्य सीएम कहे जा सकते हैं। हरियाणा में हुड्डा और ओडिशा में नवीन पटनायक के समक्ष भी ऐसी ही परिस्थितियां निर्मित हुई। समझा जा सकता है कि हमारे तंत्र में आईएएस की ताकत किस व्यापकता से निर्वाचित निकाय को शिकंजे में जकड़े हुए है। फिलहाल भोपाल और इंदौर में अगर यह लागू होता है तो यह समय की आवश्यकता भी है। जैसा कि सीएम खुद कह रहे हैं कि बढ़ते शहरीकरण की बहुआयामी चुनौतियां है जिनके मद्देनजर इस सिस्टम की आवश्यकता महसूस की जा रही है। पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू होते ही इंदौर, भोपाल में कुछ दाण्डिक ताकतों का प्रयोग अब डीएम की जगह पुलिस कमिश्नर करेंगे। वे दंगा, बलबा या शान्ति भंग की मैदानी स्थिति में धारा 144 के लिए डीएम के मोहताज नही होंगे। धारा151,107,116,109,110 के तहत अपराधियों की जमानत लेंगे।आर्म्स एक्ट,आबकारी, बिल्डिंग परमिशन जैसे काम भी खुद करेंगे। अफवाह तंत्र के विरुद्ध इंटरनेट शटडाउन के लिए भी वे खुद सक्षम होंगे। इस सिस्टम के तहत संभव है पुलिस महानिरीक्षक स्तर के अधिकारी इंदौर और भोपाल के पुलिस कमिश्नर बनाएं जाएं। इंदौर इस समय भारत का मिनी मुंबई कहा जाता है। वहाँ कानून व्यवस्था वाकई संवेदनशील विषय है। कमोबेश भोपाल भी प्रदेश की राजधानी के साथ एक संवेदनशील शहर है। पुलिस कमिश्नर सिस्टम मूलतः अंग्रेजी राज के अवशेषों में ही एक है। पहले यह प्रेसिडेंसी शहरों यानी मुंबई, मद्रास, कोलकाता में लागू रहता था। भारतीय पुलिस अधिनियम 1861 कानून व्यवस्था के कुछ मामलों को विनियमित करने की शक्तियां डीएम को देता है जो कि पहले आईसीएस और बाद में आइएएस हो गए है। आईएएस अफसर अपनी दाण्डिक शक्तियों को एसडीएम के पास प्रत्यायोजित करते हैं। इसलिये जिलाबदर, गैंगस्टर जैसे मामलों में पुलिस की भूमिका नगण्य रहती है। इसे जिला बदर की कार्रवाई से समझा जा सकता है। किसी कुख्यात अपराधी का आतंक जब थाना क्षेत्र से निकलकर विस्तारित होने लगता है तब पुलिस ऐसे अपराधियों के विरुद्ध जिला बदर की कारवाई प्रस्तावित कर डीएम/कलेक्टर को भेजती है। डीएम ऐसे प्रकरणों को अपने यहां दर्ज कर बाकायदा सुनवाई और पक्ष समर्थन की प्रक्रिया अपनाकर एसपी के प्रस्ताव पर निर्णय करते हैं। अक्सर देखा गया है कि डीएम राजनीतिक या अन्य दबाव में इन प्रकरणों को लंबे समय तक लटकाए रखते हैं। पुलिस कमिश्नर प्रणाली में यह अधिकार कलेक्टर्स से छिन जाते हैं और कमिश्नर जिला बदर और गैंगस्टर एक्ट में सीधे निर्णय करने लगते हैं। जिला बदर अपराधी नियत समयावधि तक न केवल गृह जिले बल्कि उसके सभी सीमावर्ती जिलों में नहीं रह सकता है। कमिश्नर कार्यक्षेत्र में आर्म्स लाइसेंस भी कलेक्टर नहीं कमिश्नर देते हैं। अभी जिलों के एसपी कलेक्टर को अपनी सिफारिश भेजते हैं कि फलां व्यक्ति को हथियार लाइसेंस दिया जाए या नहीं। धरना प्रदर्शन के दौरान कानून और सुरक्षा व्यवस्था बनाने का काम पुलिस के जिम्मे रहता है लेकिन इनकी अनुमति सबंधित एसडीएम जारी करते हैं। कमिश्नर प्रणाली में यह अधिकार भी राजस्व अफसरों से छीन लिया जाता है। बड़े शहरों में यातायात को निर्बाध बनाने के लिए पुलिस को बड़ी मशक्कत करनी होती है अक्सर अतिक्रमणकारियों के आगे पुलिस लाचार नजर आती है। कमिश्नर सिस्टम के चलते नगर निगम प्रशासन को न्यायिक आदेश जारी करने के अधिकार पुलिस को मिल जाते हैं। पुलिस कमिश्नर जमीनों और अतिक्रमण के मामलों में भी पटवारियों या दूसरे मैदानी राजस्व कर्मियों को एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की तरह आदेश जारी करते हैं। जाहिर है यह आईएएस अफसरों की ताकत में आईपीएस की सेंधमारी है। इन सबके बावजूद यह भी ध्यान रखना होगा कि पुलिस और आम आदमी के रिश्ते आज भी भरोसे के नहीं, भय के धरातल पर है। ऐसा न हो कि कमिश्नर सिस्टम इस भय को और बड़ा कर दे।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

वायुसेना को बेमिसाल ताकत देगी एस-400

- योगेश कुमार गोयल

चीन द्वारा लगाए जा रहे अड़ंगे और प्रतिबंधित करने की अमेरिकी धमकियों के बावजूद आखिरकार रूस से भारत को सतह से हवा में मार करने वाली एस-400 मिसाइल प्रणाली की सप्लाई शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच करीब तीन वर्ष पहले हुई शिखर बैठक के दौरान वायुसेना को ताकत प्रदान करने के लिए करीब 5.43 अरब डॉलर में एस-400 एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल रक्षा प्रणाली की पांच इकाइयां खरीदने का करार हुआ था और इस एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल रक्षा प्रणाली की दो यूनिट 2021 के अंत तक भारत को मिलनी तय हुई थी। इस रक्षा सौदे को देश के रक्षा क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत माना गया था। हालांकि चीन नहीं चाहता था कि रूस भारत को एस-400 सहित अन्य रक्षा सौदों की शीघ्र आपूर्ति करे लेकिन यह सरकार के गंभीर प्रयासों का ही असर है कि एस-400 मिसाइल प्रणाली की सप्लाई समय से होनी शुरू हो गई है। मल्टीफंक्शन रडार से लैस दुश्मन की बर्बादी का ब्रह्मास्त्र मानी जाने वाली एस-400 दुनियाभर में सर्वाधिक उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणालियों में से एक है, जो रूसी सेना में 2007 में सम्मिलित हुई थी। चीन, पाकिस्तान तथा अन्य दुश्मन पड़ोसी देशों से निपटने के लिए भारत को इस रक्षा प्रणाली की सख्त जरूरत भी है। भारत हथियार और रक्षा उपकरण सबसे ज्यादा रूस से ही खरीदता रहा है। करीब 58 फीसदी रक्षा सौदे भारत रूस के साथ ही करता है। हथियारों के उत्पादन की भारत की 'मेक इन इंडिया' मुहिम में भी रूस भारत का बहुत बड़ा मददगार साबित हो रहा है। मेक इन इंडिया सैन्य प्रोजेक्ट के तहत रूस के पास 12 अरब डॉलर की परियोजनाएं हैं। इसके अलावा सैन्य विशेषज्ञों के मुताबिक करीब 25 अरब डॉलर के हथियारों की खरीद और होने के आसार हैं। भारत-रूस के बीच हथियारों के संयुक्त उत्पादन तथा तकनीक के हस्तांतरण में ब्रह्मोस मिसाइल सबसे महत्वपूर्ण है। रूस से 18 सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों के लिए पांच हजार करोड़ रुपये तथा 200 कामोव-226टी यूटिलिटी हेलीकॉप्टरों के लिए 3600 करोड़ रुपये का सौदा है, जिनका एचएएल में रूस के सहयोग से उत्पादन हो रहा है। अमेठी में 7.5 लाख एके-203 असॉल्ट राइफलों के निर्माण के लिए भी रूस से 12 हजार करोड़ का करार हुआ है। भारतीय नौसेना भी रूसी सहयोग से निर्मित छह युद्धपोतों आईएनएस तलवार, त्रिशूल, ताबर, तेग, तरकश और त्रिकांड का संचालन कर रही है। इनके अलावा भी भारत में रूस के सहयोग से कई और प्रोजेक्ट चल रहे हैं। जहां तक एस-400 मिसाइल प्रणाली की विशेषताओं की बात है तो यह ऐसी प्रणाली है, जिसके रडार में आने के बाद दुश्मन का बच पाना असंभव हो जाता है। इसके हमले के सामने भागना तो दूर, संभलना भी मुश्किल होता है। कुछ रक्षा विशेषज्ञ इसे जमीन पर तैनात ऐसी आर्मी भी कहते हैं, जो पलक झपकते ही सैकड़ों फीट ऊपर आसमान में ही दुश्मनों की कब्र बना सकती है। कहा जा रहा है कि भारतीय वायुसेना में एस-400 के शामिल होने के बाद भारत जमीन की लड़ाई भी आसमान से ही लड़ने में सक्षम हो जाएगा। यह एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम तीन तरह के अलग-अलग मिसाइल दाग सकता है और इसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी आसानी से पहुंचाया जा सकता है। यही नहीं, नौसेना के मोबाइल प्लेटफॉर्म से भी इसे दागा जा सकता है। एस-400 में मिसाइल दागने की क्षमता पहले से ढाई गुना ज्यादा है। यह कम दूरी से लेकर लंबी दूरी तक मंडरा रहे किसी भी एरियल टारगेट को पलक झपकते ही हवा में ही नष्ट कर सकती है। यह मिसाइल प्रणाली पहले अपने टारगेट को स्पॉट कर उसे पहचानती है, उसके बाद मिसाइल सिस्टम उसे मॉनीटर करना शुरू कर देता है और उसकी लोकेशन ट्रैक करता है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक इस मिसाइल प्रणाली को अगर आसमान में फुटबॉल के आकार की भी कोई चीज मंडराती हुई दिखाई दे तो यह उसे भी डिटेक्ट कर नष्ट कर सकती है। एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली की विशेषता इसी से समझ सकते हैं कि अमेरिका के एफ-35 जैसे सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट भी इसके हमले से बच नहीं सकते। चीन रूस से यह मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने वाला पहला देश था। यह प्रणाली जमीन से मिसाइल दागकर हवा में ही दुश्मन की ओर से आ रही मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम है। यह एक साथ 36 लक्ष्यों और दो लॉन्चरों से आने वाली मिसाइलों पर निशाना साध सकती है और 17 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से 30 किलोमीटर की ऊंचाई तक अपने लक्ष्य पर हमला कर सकती है। इसे मात्र पांच मिनट में ही युद्ध के लिए तैयार किया जा सकता है। 600 किलोमीटर की दूरी तक निगरानी करने की क्षमता से लैस एस-400 की मदद से भारत के लिए पाकिस्तान के चप्पे-चप्पे पर नजर रखना भी संभव हो सकेगा। यह किसी भी प्रकार के विमान, ड्रोन, बैलिस्टिक व क्रूज मिसाइल तथा जमीनी ठिकानों को 400 किलोमीटर की दूरी तक ध्वस्त करने में सक्षम है। इसके जरिये भारतीय वायुसेना देश के लिए खतरा बनने वाली मिसाइलों की पहचान कर उन्हें हवा में ही नष्ट कर सकेगी। भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा बन रहे धूर्त पड़ोसी देश चीन ने रूस से 2014 में ही एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीद ली थी। यही कारण है कि 3488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन सीमा के मद्देनजर हमारे लिए भी यह रक्षा प्रणाली हासिल करना और अपनी रक्षा प्रणाली को मजबूत करते हुए वायुसेना की ताकत बढ़ाना बेहद जरूरी हो गया है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सू-दोकू नवताल -1971

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

सू-दोकू -1970 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1971

बायें से दायें:-

1. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-2,3
4. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-4
6. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-3
8. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-4
10. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की 1993 की एक फिल्म-5
13. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-2
14. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-3
16. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-3
19. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-3
21. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-3
22. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-2,2
24. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-2
26. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-2
27. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-2
29. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-3
31. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-4
32. 'दिल हम हम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-3
33. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-1

ऊपर से नीचे:-

1. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-4
2. 'मेरे गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-3
3. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-2
4. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-3
5. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-3
7. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-2
9. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-3
11. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-3
12. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-3
15. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-4
16. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-2
17. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-4
18. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-3
19. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-2
20. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-3
23. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-2
25. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-3
26. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-3
28. मनोज बाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-3
30. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1970

चित्रकूट का अर्थ है कई 'आश्चर्यो का पर्वत'। विंध्य पर्वत श्रृंखला में फैला चित्रकूट दो भागों में बंटा हुआ है। एक भाग मध्यप्रदेश के सतना जिले का चित्रकूट है, जो कि एक तहसील है और दूसरा भाग उत्तरप्रदेश का चित्रकूट जिला है।

एक भाग मध्यप्रदेश के सतना जिले का चित्रकूट है जो कि एक तहसील है और दूसरा भाग उत्तरप्रदेश का चित्रकूट जिला है। महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम ने अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अपने चौदह वर्ष के वनवास में से साढ़े ग्यारह वर्ष का समय यहां पर व्यतीत किया था।

श्रीरामजी की भूमि चित्रकूट

भारत में कई ऐसे स्थान हैं, जो कि ऐतिहासिक होने के साथ ही साथ धार्मिक रूप से भी महत्वपूर्ण हैं। ऐसे ही स्थानों में से एक चित्रकूट है, भगवान श्रीराम का वनवास स्थल। चित्रकूट का अर्थ है 'कई आष्चर्यो का पर्वत'। विंध्य पर्वत श्रृंखला में फैला चित्रकूट दो भागों में बंटा हुआ है। एक भाग मध्यप्रदेश के सतना जिले का चित्रकूट है जो कि एक तहसील है और दूसरा भाग उत्तरप्रदेश का चित्रकूट जिला है। महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम ने अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अपने चौदह वर्ष के वनवास में से साढ़े ग्यारह वर्ष का समय यहां पर व्यतीत किया था। इसी कारण से चित्रकूट पर्यटन स्थल होने के साथ ही साथ एक आध्यामिक महत्व भी रखता है, एक ऐसा स्थान जहां के कण-कण में श्रीराम बसते हैं। इसके साथ ही चित्रकूट कई महान ऋषियों की कर्मभूमि भी रही है, जैसे, अत्रि, सती अनुसूया, दत्तात्रेय, मार्कण्डेय, सरभंग, सुतीक्ष्ण। इसके साथ ही चित्रकूट रामचरितमानस के रचियता संत तुलसीदास की जन्मभूमि भी रही है, जिनका जन्म चित्रकूट के राजापुर नामक गांव में हुआ था। संत तुलसीदास द्वारा लिखित रामचरितमानस आज भी उनके वंशजों के पास यहां सुरक्षित रखी है।

क्या देखें

वैसे तो पूरा चित्रकूट ही घूमने लायक हैं, लेकिन अगर आप चित्रकूट जा रहे हैं, तो किस भी हालत में इन स्थानों पर जाना न भूलें।

रामघाट

अगर आप चित्रकूट जा रहे हैं, तो रामघाट में स्नान करना न भूलें, जिसके लिये यह माना जाता है कि अपने वनवास के दौरान चित्रकूट आने पर इसी स्थान पर श्रीराम, सीता और लक्ष्मण ने मंदाकिनी नदी में स्नान किया था। साथ ही ऐसा भी माना जाता है कि चित्रकूट के इसी घाट पर बैठकर संत तुलसीदास ने भगवान राम से चंदन लगवाया था, और फिर हनुमान ने उनका परिचय देते हुए कहा था कि :

चित्रकूट के घाट में भई संतन की भीर।
तुलसीदास चंदन घिसै तिलक देत रघुवीर।।

रामघाट के पास कुछ अन्य महत्वपूर्ण स्थान भी हैं, जैसे कि, राघव प्रयाग घाट, मतगजेंद्रेष्वर स्वामी, पाम कुटी और यज्ञ वेदी।

कामदगिरि

कामदगिरि चित्रकूट का मुख्य दर्शनीय स्थल है। कामदगिरि एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ है 'सभी इच्छाओं से परिपूर्ण पर्वत'। ऐसा माना जाता है कि वनवास के दौरान राम, सीता और लक्ष्मण इसी पर्वत पर रहते थें। कामदगिरि और चित्रकूट के भगवान कामतानाथ का मंदिर भी यहीं स्थित है, जहां से कामदगिरि की 5 किलोमीटर लंबी परिक्रमा आरंभ होती है। परिक्रमा के इस पथ का निर्माण सन् 1725 में बुंदेल के महाराज छत्रसाल की पत्नी रानी प्रताप कुंवारी द्वारा करवाया गया था। परिक्रमा पथ के दौरान कई अन्य मंदिर भी स्थित हैं, जैसे, भारत मिलाप जहां पर भरत की मुलाकात राम, सीता और लक्ष्मण से हुई थी।

मठगजेंद्रेश्वर स्वामी : यह मंदिर रामघाट पर स्थित है। पुराणों के अनुसार इस स्थान पर सतयुग में भगवान ब्रह्मा ने तपस्या की थी और फिर शिवलिंग की स्थापना की थी। यहां पर मंदिर की स्थापना पन्ना के महाराज अमन सिंह के द्वारा की गई थी।

जानकी कुंड

जानकी का अर्थ है राजा जनक की पुत्री अर्थात् सीता। ऐसा माना जाता है कि वनवास के दौरान सीता जी इस कुंड का प्रयोग स्नानागार के रूप में करती थी। जानकी कुंड के आसपास कई चैरिटेबल संस्थाएं स्थित है, जैसे कि जानकी कुंड नेत्र चिकित्सालय, ब्लाइंड स्कूल आदि।

अत्रि-अनुसूया आश्रम

यह आश्रम रामघाट से 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। ऐसा माना जाता है कि सती अनुसूया ऋषि अत्रि के साथ यहीं रहती थी और इसी आश्रम में उन्होंने त्रिदेवों को बालकों के रूप में परिवर्तित कर दिया था। इसी आश्रम के पास परमहंस आश्रम भी स्थित है।

हनुमान धारा

हनुमान धारा रामघाट से पूर्व की ओर 4 किमी की दूरी पर विंध्य के आरंभ पर स्थित एक अत्यंत रमणीय स्थल है। ऐसा माना जाता है कि लंका दहन करने के कारण अयोध्या लौटने तक हनुमान जी के शरीर में जलन हो रही थी। भगवान राम को अपनी यह समस्या बताने पर उन्होंने उन्हें चित्रकूट के इस पर्वत पर जाने के लिये कहा और यह भी कहा कि यहां पर उनपर ठंडे जल की एक धारा प्रवाहित होगी, जिस कारण से उनकी जलन समाप्त हो जाएगी। आज भी हनुमान जी की मूर्ति पर यह धारा प्रवाहित होती है और उसके बाद कहां अदृष्य हो जाती है, यह पूर्णत : रहस्य है।

गुप्त गोदावरी : चित्रकूट के दक्षिण-पष्चिम में करीब 18 कि.मी. की दूरी पर एक पहाड़ पर स्थित यह स्थान अत्यंत रमणीय और रहस्यमय है। गुप्त गोदावरी का आष्चर्य यहां पर स्थित दो गुफाएं हैं।

रामशय्या

सीतापुर से चलने पर भरत कूप से पहले एक और दिव्य स्थल है, जिसे रामशय्या कहते हैं। इस स्थान को परिक्रमा मार्ग से भी देखा जा सकता है। यह एक चट्टान है, जिसके लिये यह माना जाता है कि वनवास के दौरान राम और सीता इस चट्टान पर आराम करते थे।

एक बड़ी सी शिला पर दो चिन्ह भी बने हुए हैं, जिनका निर्माण राम और सीता के लेटने के कारण हुआ था। इनके अतिरिक्त भी चित्रकूट और इसके आसपास के क्षेत्र में कई दर्शनीय स्थल हैं, जैसे कि, राघव-प्रयाग घाट, यज्ञ वेदी, स्फटिक शिला, मयूरध्वज आश्रम, लक्ष्मण चौकी, वाल्मीकि आश्रम, भरत कूप, लक्ष्मण पहाड़ी, सुतीक्ष्ण आश्रम, गणेश बाग, कालिंजर दुर्ग आदि।

कैसे पहुंचे

सड़क द्वारा : मध्यप्रदेश से चित्रकूटके लिये रीवा, सतना, पन्ना, मैहर, सागर, छतरपुर आदि स्थानों से और उत्तरप्रदेष से मिर्शापुर, इलाहाबाद, बांदा, कानपुर, लखनऊ, महोबा, अतरा, नरैनी, झांसी से निरंतर बस सेवाएं उपलब्ध रहती है।

रेल द्वारा : निकटतम रेलवे स्टेषन चित्रकूट धाम कर्वी है, शो कि मानिकपुर-झांसी रेलवे लाइन में स्थित है।

वायुयान द्वारा : चित्रकूट के लिये निकटतम एयरपोर्ट खजुराहो है, जो कि चित्रकूट से 175 कि.मी. की दूरी पर स्थित है।

आइस स्कीइंग के लिए मशहूर

खूबसूरत औली

बद्रीनाथ धाम के निकट नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के पास स्थित है गढ़वाल का मशहूर औली क्षेत्र। यहां पर घने जंगलों के साथ ही खूबसूरत पहाड़ तथा मखमली घासों से ढंके हुए मैदान फैले हुए हैं। देश का सबसे नया आइसस्कीइंग केंद्र भी यहीं पर मौजूद है। यहां पर आप बर्फ पर फिसलने का भरपूर आनंद उठा सकते हैं। बर्फ की चादरों से ढंकी यहां की खूबसूरत ढलानें एशिया की खूबसूरत ढलानों में भी गिनी जाती हैं। यहां से आप नंदा देवी, हाथी गौरी पर्वत, ऐरावत पर्वत तथा नीलकंठ पर्वत का नजारा भी बखूबी देख सकते हैं।

सबसे पहले भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ने इसे आइसस्कीइंग खेल मैदान के रूप में तलाशा था फिर गढ़वाल मंडल विकास निगम ने स्कीइंग को बढ़ावा देने की मंशा से यहां स्कीइंग केंद्र की स्थापना की। यहां पर रोपवे भी है जोकि औली के आकर्षण में अनूठा साबित हुआ है। रोपवे की रोमांचक यात्रा सैलानियों को आनंदविभोर कर देती है। जब पर्यटक इसमें बैठकर जंगल, खेत और गांवों के ऊपर से गुजरते हैं, तो उनका मन झूम उठता है। दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आप सबसे पहले गुरसौं बुग्याल देखने जा सकते हैं। ओक और कोनिफर के जंगलों से घिरा हुआ और खूबसूरती से भरापूरा यह मैदान सैंकड़ों मीलों तक फैला हुआ है। औली से तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित गुरसौं बुग्याल में गर्मियों के मौसम में असंख्य फूल भी खिलते हैं।

आप क्वांरी बुग्याल भी घूमने जा सकते हैं। यह एक मनोरम स्थल है। यहां पर दूर-दूर तक फैली हुई खूबसूरत ढलानें देखते ही बनती हैं। इन ढलानों पर ट्रैकिंग का आनंद भी लिया जा सकता है। जोशीमठ भी औली के सर्वश्रेष्ठ दर्शनीय स्थलों में शुमार है। औली से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित जोशीमठ में आप मठों, स्मारकों के दर्शन कर सकते हैं। यहां पर ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा पौराणिक महत्व के कई सारे मठ व मंदिर मौजूद हैं साथ ही आप यहां पर्वतारोहण भी कर सकते हैं। इस स्थान की सबसे खास बात यह है कि इसे बदरीनाथ और फूलों की घाटी का प्रवेशद्वार भी माना जाता है।

सेलधार तपोवन को देखने का अपना अलग ही मजा है। क्योंकि यहां पर गरम पानी के अनेक सोते हैं, जिन्हें देखते ही बनता है। यहां पर आप अधिक उबलते गरम पानी के फव्वारे और सोते को देख कर दंग रह जाएंगे। इसी प्रकार चिनाब झील भी देखी जा सकती है। यह झील प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर जगह जोशीमठ के पास स्थित है। लेकिन कठिन चढ़ाई होने के कारण अभी इस स्थल का पर्याप्त विकास नहीं हो सका है।

वंशीनारायण कल्पेश्वर भी देखने योग्य जगह है, खासकर गर्मियों में। क्योंकि गर्मियों में यह पूरी घाटी फूलों से ढंकी हुई नजर आती है। इस मनोरम दृश्य को देखकर सभी पर्यटक आकर्षित हुए बिना नहीं रहते। यदि आप औली की यात्रा करने का मन बना चुके हैं तो आपको बता दें कि यहां तक आपको सीधी रेल सेवा नहीं मिल पाएगी। यहां से निकटतम रेलवे स्टेशन ऋषिकेश है। आप ऋषिकेश स्टेशन से औली के लिए बस ले सकते हैं। ऋषिकेश से औली लगभग 253 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

चाहें तो ऋषिकेश से जोशीमठ तक के लिए बसों तथा टैक्सियों व जीपों का भी प्रयोग कर सकते हैं और जोशीमठ से औली तक की यात्रा रोपवे से भी तय कर सकते हैं। जहां तक बात यहां पर ठहरने की है, तो आपको बता दें कि औली में आपको गढ़वाल मंडल विकास निगम द्वारा बनवाए गए हट्स और फाइबर हट्स में रहने की सुविधा आराम से मिल सकती है।

करेंसी क्रैश होने के बाद एप्पल ने तुर्की में ऑनलाइन बिक्री पर लगाई रोक

अंकारा। एप्पल ने तुर्की में ग्राहकों को उत्पाद बेचना अस्थायी रूप से बंद कर दिया है क्योंकि तुर्की लीरा का क्रैश होना जारी है। सीएनबीसी के मुताबिक, तुर्की लीरा मंगलवार को डॉलर के मुकाबले 13.44 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई। देश में ग्राहकों के लिए ऑनलाइन एप्पल स्टोर उपलब्ध है। हालांकि, एप्पल तुर्की में कोई नया ऑर्डर स्वीकार नहीं कर रहा है, खरीदारों को अपने डिजिटल शॉपिंग बैग में कोई आइटम जोड़ने की इजाजत नहीं दे रहा है। वेबसाइट लगभग सभी उपकरणों को अनुपलब्ध के रूप में रिपोर्ट करती नजर आ रही है। एप्पल ने बिक्री को आधिकारिक रूप से रोकने की घोषणा नहीं की है। वर्ष के दौरान अमेरिकी डॉलर की तुलना में तुर्की लीरा के मूल्य में 45 प्रतिशत की गिरावट आई है। एक तुर्की लीरा वर्तमान दर पर लगभग 0.078 डॉलर के बराबर है और इसका मूल्य पिछले सप्ताह से लगातार गिर रहा है। पश्चिम के साथ भू-राजनीतिक तनाव, चालू खाता घाटे, सिकुड़ते मुद्रा भंडार के कारण 2018 की शुरुआत से तुर्की की मुद्रा नीचे की ओर खिसक रही है। एप्पल कब तुर्की में बिक्री फिर से शुरू कर सकता है, इसकी अभी कोई जानकारी नहीं है। इस बीच, मुद्रास्फीति दर 20 प्रतिशत के करीब है, नाटकीय रूप से वस्तुओं की कीमत में वृद्धि हुई है।

हीरो इलेक्ट्रॉनिक्स ने भारत में कनेक्टेड डिवाइसेस में किया प्रवेश

नई दिल्ली। हीरो ग्रुप की प्रौद्योगिकी कंपनी हीरो इलेक्ट्रॉनिक्स स्मार्ट सनग्लासेज के साथ-साथ एक्शन कैमरा लॉन्च करने की योजना बना रही है, ताकि एक नया कनेक्टेड डिवाइस इकोसिस्टम बनाया जा सके। कंपनी के एक शीर्ष कार्यकारी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। ब्रांड ने दो नए उत्पादों- क्यूबो स्मार्ट कैम 360 और क्यूबो स्मार्ट डोर लॉक के साथ अपने स्मार्ट होम डिवाइस लाइनअप का विस्तार किया है। हीरो इलेक्ट्रॉनिक्स के सीईओ, निखिल राजपाल ने आईएएनएस को बताया, पिछले एक साल में, हमने 8 गुना वृद्धि (साल-दर-साल) देखी है। हमने लगभग 75,000 डिवाइस बेचे हैं और ये डिवाइस पूरी तरह से हमारे द्वारा बनाए गए हैं। हम अलग-अलग उपयोग के साथ नए कैमरे लॉन्च कर रहे हैं लेकिन भविष्य में हम एक्शन कैमरों के साथ स्मार्ट सनग्लासेज जैसे नए उपकरण भी जोड़ेंगे। विस्तार ऐसे समय में हुआ है जब देश में किफायती कनेक्टेड स्मार्ट उपकरणों की आवश्यकता बढ़ रही है। 2,890 रुपये की कीमत वाला, एआई-पावर्ड स्मार्ट 360 कैम न केवल स्मार्ट घरों के लिए बल्कि छोटे कार्यालयों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए भी एक अच्छा अतिरिक्त ऑप्शन है, जो चौबीसों घंटे सुरक्षा और मन की पूर्ण शांति सुनिश्चित करता है। राजपाल ने कहा, क्यूबो में, लंबे समय में हमारा उद्देश्य स्मार्ट होम, ऑटोमोटिव और स्वास्थ्य में उत्पादों का निर्माण करना है। आज हमारे नए उत्पाद लॉन्च के साथ, हम स्मार्ट होम पोर्टफोलियो को पूरा कर रहे हैं। ब्रांड बनाने की इस प्रक्रिया के दौरान हमारा मुख्य सिद्धांत एआई के साथ विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी उत्पादों को एक साथ रखना और भारतीय पर्यावरण का समर्थन करना है। क्यूबो स्मार्ट 360 कैम अमेजन सहित ऑफलाइन आउटलेट्स और प्रमुख ई-कॉमर्स पोर्टल्स और क्यूबो की अपनी वेबसाइट पर भी उपलब्ध होगा। क्यूबो स्मार्ट डोर लॉक दो वेरिएंट में आएगा। क्यूबो स्मार्ट डोर लॉक ब्लैक की कीमत 13,990 रुपये और क्यूबो स्मार्ट डोर लॉक अल्ट्रा की कीमत 22,990 रुपये होगी। क्यूबो होम सिक्योरिटी कैमरे के लॉन्च के साथ, हीरो इलेक्ट्रॉनिक्स ने कहा कि वह अगले दो वर्षों में होम ऑटोमेशन, ऑटोमोटिव, एंटरटेनमेंट डोमेन में 10 से अधिक स्मार्ट उत्पादों को लॉन्च करने के दृष्टिकोण के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी ने कहा कि वह स्मार्ट होम इकोसिस्टम के शुरुआती अपनाने वालों और नए अपनाने वालों सहित भारतीय उपभोक्ताओं के पूरे सरगम की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने उत्पादों की क्यूबो रेंज का विस्तार कर रही है।

एप्पल ने पेगासस के साथ आईफोन पर हमला करने के लिए एनएसओ ग्रुप पर दायर किया मुकदमा

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। टेक दिग्गज एपल ने इजरायल स्थित कंपनी एनएसओ ग्रुप के खिलाफ मुकदमा दायर किया है, जो कुख्यात पेगासस स्पाइवेयर के डेवलपर हैं। इस मुकदमे में एनएसओ ग्रुप को किसी भी एप्पल सॉफ्टवेयर, सेवाओं या उपकरणों का उपयोग करने से प्रतिबंधित करने के लिए स्थायी निषेधाज्ञा की मांग की गई है। कंपनी ने स्वीकार किया कि एप्पल उपकरणों पर पेगासस स्थापित करने के लिए एनएसओ समूह के शोषण से उसके कुछ उपयोगकर्ताओं को लक्षित किया जा सकता है। एप्पल के सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष क्रेग फेडेरिघी ने कहा, एनएसओ समूह जैसे राज्य प्रायोजित अभिनेता प्रभावी जवाबदेही के बिना परिष्कृत निगरानी प्रौद्योगिकियों पर लाखों डॉलर खर्च करते हैं। इसे बदलने की जरूरत है। उन्होंने मंगलवार देर रात एक बयान में कहा, ऐप्पल डिवाइस बाजार में सबसे सुरक्षित उपभोक्ता हार्डवेयर हैं, लेकिन राज्य प्रायोजित स्पाइवेयर विकसित करने वाली निजी कंपनियां और भी खतरनाक हो गई हैं। एप्पल की शिकायत एनएसओ ग्रुप के फॉरसेडेंट्री के बारे में नई जानकारी प्रदान करती है, जो पहले पीड़ित के एप्पल डिवाइस में सेंध लगाने और एनएसओ ग्रुप के स्पाइवेयर उत्पाद, पेगासस के लेटेस्ट संस्करण को स्थापित करने के लिए उपयोग की जाने वाली अब-पैच की गई भेद्यता के लिए एक शोषण है। शोषण की पहचान मूल रूप से टोरंटो विश्वविद्यालय के एक शोध समूह सिटीजन लैब द्वारा की गई थी। कंपनी ने जानकारी दी, स्पाइवेयर का इस्तेमाल दुनिया भर में खतरनाक मैलवेयर और स्पाइवेयर के साथ एप्पल उपयोगकर्ताओं की एक छोटी संख्या पर हमला करने के लिए किया गया था। एप्पल ने कहा कि यह उन कम संख्या में उपयोगकर्ताओं को सूचित कर रहा है जिन्हें यह पता चला है कि उन्हें फॉरसेडेंट्री द्वारा लक्षित किया गया हो सकता है। एप्पल पेगासस स्पाइवेयर निर्माता एनएसओ ग्रुप पर मुकदमा चलाने में व्हाट्सएप और उसकी मूल कंपनी मेटा (पूर्व में फेसबुक) का अनुसरण करता है।

एलएंडटी का कांचीपुरम में डेटा केंद्र बनाने के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ करार

नयी दिल्ली (एजेंसी),

इंजीनियरिंग और निर्माण क्षेत्र की शीर्ष कंपनी लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) ने तमिलनाडु में डेटा केंद्र स्थापित करने के लिए राज्य सरकार के साथ एक समझौता किया है। एलएंडटी ने बुधवार को बताया कि वह अगले पांच वर्षों के दौरान तमिलनाडु के कांचीपुरम इलाके में चरणबद्ध तरीके से 90 मेगावाट की क्षमता वाला डेटा केंद्र समेत इससे संबंधित इकाइयों की स्थापना करेगी। इस परियोजना से करीब 1,100 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर रोजगार मिलेगा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, ''एलएंडटी ने कांचीपुरम में डेटा केंद्र स्थापित करने के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं।'' इस परियोजना के लिए तमिलनाडु सरकार बिना किसी बाधा के बिजली की आपूर्ति करेगी। राज्य सरकार अन्य बुनियादी ढांचा सहायता भी प्रदान करेगी जिससे राज्य के लोगों को आर्थिक और सामाजिक लाभ मिलेगा।

महंगा हुआ बच्चों का फेवरेट Parle-G बिस्कुट

नई दिल्ली: देश में जहां टमाटर के भाव में तेजी देखी जा रही हैं वहीं प्रमुख खाद्य कंपनी पारले प्रोडक्ट्स ने उत्पादन लागत में वृद्धि के मद्देनजर अपने उत्पादों की सभी श्रेणियों में कीमतों में पांच से 10 प्रतिशत की वृद्धि की है। कंपनी के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि चीनी, गेहूं और खाद्य तेल जैसे कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के चलते यह कदम उठाना पड़ा है। बिस्कुट खंड में पारले के उत्पादों में पारले जी, हाइड एंड सीक और क्रैकजैक जैसे लोकप्रिय ब्रांड शामिल हैं। कंपनी ने रस्क और केक खंड में कीमतों में क्रमशः 5-10 प्रतिशत और 7-8 प्रतिशत की वृद्धि की है। इसका सबसे लोकप्रिय ग्लूकोज बिस्किट पारले जी अब 6-7 प्रतिशत महंगा हो गया है। पारले प्रोडक्ट्स के वरिष्ठ श्रेणी प्रमुख मयंक शाह ने कहा कि हमने कीमतों में 5-10 प्रतिशत की वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने 20 रुपये या अधिक मूल्य के बिस्कुट और अन्य उत्पादों के दाम बढ़ाए हैं। वहीं कीमतों को आकर्षक स्तर पर बनाए रखने के लिए पैकेट के 'ग्राम' में कटौती की है।

क्रिप्टोकरेंसी पर नहीं लगेगा पूरा बैन, टेरर फंडिंग और 'हवाला' रोकने के लिए सरकार क्रिप्टो रेगुलेट करने की तैयारी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार को क्रिप्टो करेंसी में आई भारी गिरावट के बीच ऐसी खबरें सामने आ रही थी कि 29 नवंबर से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार क्रिप्टो करेंसी पर बिल (**Bill on Cryptocurrency**) को पेश करेगी। इससे पहले मोदी सरकार ने भी यह साफ कर दिया है कि वो भारत में सभी प्राइवेट क्रिप्टोकरेंसी को बैन कर देगी और वह खुद की एक आधिकारिक क्रिप्टोकरेंसी लाएगी। वहीं इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई हैं। दरअसल, एक न्यूज चैनल के मुताबिक, इस बिल से क्रिप्टोकरेंसी पर कोई बैन नहीं लगेगा। उसके मुताबिक, सरकार क्रिप्टोकरेंसी को हवाला, टेरर फंडिंग में उसकी भूमिका पर नजर रखने के लिए रेगुलेट कर रही है। सूत्र ने कहा कि रेगुलेशन मैकेनिज्म तय होने के बाद क्रिप्टोकरेंसी का गलत इस्तेमाल नहीं हो पाएगा। सरकार को इस बात से चिंतित है कि कहीं क्रिप्टो का इस्तेमाल हवाला या टेरर फंडिंग में ना किया जाए। सूत्रों के अनुसार, क्रिप्टोकरेंसी को वैध करेंसी की मान्यता नहीं दी जाएगी क्योंकि यह असल करेंसी और देश के टैक्स सिस्टम के लिए खतरा है। उन्होंने आगे कहा कि क्रिप्टोकरेंसी के लिए एक सख्त मैकेनिज्म तैयार किया जाएगा ताकि लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियां यह पता लगा सकें कि क्रिप्टोकरेंसी का ट्रांजैक्शन कहां से शुरू हुआ है और इसका इस्तेमाल किसी राष्ट्रविरोधी या अवैध काम में तो नहीं हो रहा है। क्रिप्टोकरेंसी एंड रेगुलेशन ऑफ ऑफिशियल डिजिटल करेंसी बिल, 2021 उन 26 बिल में शामिल है जिन्हें शीतकालीन सत्र में संसद में पेश किया जाएगा। संसद का शीतकालीन सत्र 29 नवंबर से शुरू होगा। बता दें कि इससे पहले बीजेपी नेता जयंत सिन्हा की अध्यक्षता में हुई संसदीय समिति की बैठक में क्रिप्टोकरेंसी फाइनेंस पर चर्चा हुई थी। इसके बाद यह फैसला लिया गया है कि क्रिप्टोकरेंसी पर पूरी तरह पाबंदी नहीं लगाई जाएगी बल्कि उसे रेगुलेट किया जाएगा।

वरिष्ठ नागरिकों और मध्यम आयु वर्ग के लोगों को रैनसमवेयर हमलों से निशाना बना रहे हैकर्स : रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैकर्स वरिष्ठ नागरिकों और मध्यम आयु वर्ग के लोगों को रैनसमवेयर हमलों से निशाना बना रहे हैं, जबकि युवा वयस्क इंस्टाग्राम और टिकटॉक जैसे लोकप्रिय ऐप पर विभिन्न घोटालों का शिकार हो रहे हैं। बुधवार को एक नई वैश्विक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई। साइबर सुरक्षा कंपनी अवस्ट द्वारा किए गए शोध में पाया गया कि 65 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग और 25-35 आयु वर्ग के अधिकांश लोग मुख्य रूप से ऑनलाइन जाने के लिए अपने डेस्कटॉप कंप्यूटर या लैपटॉप का उपयोग करते हैं। इससे उन्हें रैंसमवेयर, तकनीकी सहायता घोटाले, स्पाईवेयर/ट्रोजन के लिए अतिसंवेदनशील छोड़ दिया जाता है। दूसरी ओर, 25-34 और 35-44 के बीच के लोग ज्यादातर ऑनलाइन जाने के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं (प्रत्येक में 87 प्रतिशत) इसके बाद 18-24 साल के बच्चे (85 प्रतिशत) उन्हें एडवेयर, मोबाइल बैंकिंग का लक्ष्य बनाते हैं। मैलवेयर फैलाने वाले ट्रोजन, डाउनलोडर और फ्लूबॉट एसएमएस घोटाले और इंस्टाग्राम, टिकटॉक एडवेयर ऐप या फ्लेसवेयर को बढ़ावा देने वाले घोटालों को बढ़ावा देते हैं। सभी उपकरणों में, युवा और पुरानी पीढ़ी भी फिशिंग हमलों और रोमांस घोटालों के लिए लक्ष्य हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, डिजिटल नागरिकता प्रवृत्तियों में यूजीओवी के साथ एक व्यापक वैश्विक अध्ययन का हिस्सा है। अवस्ट के मुख्य सूचना और सुरक्षा अधिकारी जया बालू ने कहा, साइबर अपराधी अक्सर इस बात को ध्यान में रखते हैं कि कैसे युवा और पुरानी पीढ़ी लक्षित हमलों को शुरू करने के लिए विभिन्न उपकरणों का उपयोग करती है। उन्हें वर्तमान सांस्कृतिक और उपयोग के रुझानों के अनुकूल बनाती हैं ताकि उन्हें अधिक प्रासंगिक और अपनी छाप छोड़ने की संभावना हो। अवस्ट थ्रेट लैब्स के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी ने 2021 में हर महीने औसतन 1.46 मिलियन से अधिक रैंसमवेयर हमलों को डेस्कटॉप पर रोक दिया। इस साल जनवरी और अप्रैल के बीच, हर महीने वैश्विक स्तर पर 5.9 मिलियन तकनीकी सहायता घोटाले के हमले के प्रयास हुए। मोबाइल उपकरणों पर, पिछली तिमाही (तीसरी तिमाही में) में शीर्ष खतरे एडवेयर (59 प्रतिशत), मोबाइल बैंकिंग ट्रोजन (9.7 प्रतिशत) और डाउनलोडर (7.9 प्रतिशत) थे, जो हानिकारक ऐप हैं और पीड़ितों को बरगलाने के लिए सोशल इंजीनियरिंग रणनीति का उपयोग करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, फ्लूबॉट भारत सहित अधिकांश देशों में मोबाइल पर व्यापक रूप से फैल रहा है, जहां अवस्ट ने इस साल अगस्त और सितंबर में मासिक रूप से 3,500 हमलों को अवरुद्ध किया, जिसमें से 35,000 हमलों को वैश्विक स्तर पर प्रति माह औसतन तीसरी तिमाही में अवरुद्ध किया गया। 35-44 वर्ष के बच्चों के लिए सबसे महत्वपूर्ण इंटरनेट गतिविधि सोशल मीडिया (36 प्रतिशत) का उपयोग कर रही है। 55-64 वर्ष के बच्चों के लिए, यह बैंकिंग और वित्त गतिविधियों (38 प्रतिशत) है, इसके बाद दोस्तों और परिवार के साथ वीडियो कॉलिंग (32 प्रतिशत) है। रिपोर्ट में कहा गया है, इससे पता चलता है कि क्यों इन पीढ़ियों को उनके स्मार्टफोन पर इंस्टाग्राम और टिकटॉक, फ्लूबॉट एसएमएस और ईमेल फिशिंग स्कैम के साथ लक्षित किया जाता है, जो ऐसा लगता है कि वे दोस्तों या परिवार और मोबाइल बैंकिंग ट्रोजन से आए हैं। बालू ने कहा, विभिन्न पीढ़ियां अलग-अलग आंखों से इंटरनेट देख सकती हैं और अलग-अलग ऑनलाइन अनुभव कर सकती हैं, जिसे घर पर ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में बातचीत करते समय ध्यान में रखना चाहिए।

Paytm के बाद अब Star Health का आईपीओ 30 नवंबर को खुलेगा, मूल्य दायरा 870-900 रुपए प्रति शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार हेल्थ एंड अलाइड इन्श्योरेंस कंपनी का 7,249 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 30 नवंबर को खुलेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 870 से 900 रुपये प्रति शेयर रखा है। कंपनी ने बुधवार को बताया कि तीन दिन तक चलने वाला आईपीओ दो दिसंबर को बंद होगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली 29 नवंबर को खुलेगी। आईपीओ के तहत 2,000 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा प्रवर्तक तथा मौजूदा शेयरधारक 58,324,225 शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) करेंगे। ओएफएस के तहत शेयरों की पेशकश करने वाले प्रवर्तकों और प्रवर्तक समूह में सेफक्रॉप इन्वेस्टमेंट्स इंडिया एलएलपी, कोणार्क ट्रस्ट, एमएमपीएल ट्रस्ट शामिल है।

वही मौजूदा निवेशक के तौर पर एपिस ग्रोथ 6 लिमिटेड, एमआईओ आईवी स्टार, नोट्रे डेम डू लैक विश्वविद्यालय, मियो स्टार, आरआरओसी कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड, वेंकटसामी जगन्नाथन, साई सतीश और बर्जिस मीनू देसाई अपने शेयरों की पेशकश करेंगे। स्टार हेल्थ के इस आईपीओ में कर्मचारियों के लिए 100 करोड़ रुपये के शेयरों का आरक्षण शामिल है। कंपनी को शुरुआती शेयर बिक्री से 7,249.18 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। स्टार हेल्थ दरअसल वेस्टब्रिज कैपिटल और राकेश झुनझुनवाला जैसे निवेशकों के एक संघ के स्वामित्व वाली प्रमुख निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनी है।

ऑडियो मैसेज के लिए प्लेबैक स्पीड कंट्रोल्स की जांच कर रहा व्हाट्सएप : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। मेटा के स्वामित्व वाले इंस्टेंट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप ने मई में वॉयस मैसेज की प्लेबैक स्पीड को बदलने की क्षमता शुरू की थी और अब फर्म ऑडियो मैसेज में उसी फीचर को लाने पर काम कर रही है। वैबेटाइंफो की एक रिपोर्ट के अनुसार, जब आप किसी वॉयस नोट को फॉरवर्ड करते हैं, तो ऑडियो को तेज करना संभव नहीं होता क्योंकि प्लेबैक स्पीड बटन उपलब्ध नहीं है, लेकिन इसके लिए जल्द ही एक नया फीचर आने वाला है। व्हाट्सएप फॉरवर्ड किए गए वॉयस नोट्स के लिए प्लेबैक स्पीड बटन पेश करने पर काम कर रहा है। आईओएस के लिए व्हाट्सएप बीटा के हालिया बीटा संस्करण में फीचर को देखा गया है, लेकिन यह वर्तमान में विकास के अधीन है और यह निश्चित रूप से एंड्रॉइड के लिए व्हाट्सएप बीटा के अगले संस्करणों पर भी आ रहा है। इस बीच, व्हाट्सएप मैकओएस और विंडोज यूजर्स के लिए कुछ नए ऐप भी विकसित कर रहा है। व्हाट्सएप फीचर ट्रैकर इतालवी ब्लॉग एगियोनामेंटी लूमिया का हवाला देते हुए, व्हाट्सएप विंडोज उपयोगकर्ताओं के लिए नए ऐप विकसित कर रहा है। इसे एक यूनिवर्सल विंडोज प्लेटफॉर्म आधारित ऐप कहा जाता है जिसे शुरू से ही विकसित किया गया है। ऐप में एक ड्राइंग फीचर शामिल होगा जो टच-स्क्रीन डिस्प्ले वाले उपकरणों के लिए विशेष रूप से उपयोगी होगा।

शाओमी एमआईयूआई ने दुनिया भर में प्रति माह 500 मिलियन एक्टिव यूजर्स का आंकड़ा किया पार

बीजिंग (एजेंसी)। शाओमी ने घोषणा की है कि कंपनी के यूजर इंटरफेस (यूआई) एमआईयूआई ग्लोबल मंथली एक्टिव यूजर्स ने 500 मिलियन का आंकड़ा पार कर लिया है।

गिज्मोचाइना की रिपोर्ट के मुताबिक, इसका मतलब यह है कि दुनिया के लगभग 15 फीसदी लोग अब शाओमी, रेडमी और पोको फोन का इस्तेमाल करते हैं जो एमआईयूआई चला रहे हैं। कंपनी ने यह भी खुलासा किया कि 2021 तक, चीन में 18.65 मिलियन नए मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता और दुनिया भर में 100 मिलियन नए मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं।

शाओमी के संस्थापक ली जुन ने हाल ही में पुष्टि की थी कि कंपनी के यूजर इंटरफेस (यूआई) का अगला प्रमुख संस्करण एमआईयूआई 13 इस साल के अंत से पहले आने की राह पर है। जीएसएमअरेना की रिपोर्ट के अनुसार, एमआईयूआई 13 एक नए यूआई डिजाइन के साथ प्रदर्शन और बैटरी अनुकूलन प्रदान करेगा। जुन ने यह भी कहा कि एमआईयूआई 13 बहुत सारे बदलाव लाएगा जो उपयोगकर्ता अनुभव में काफी सुधार करेगा। अपडेट को पहले एमआई मिक्स 4 रिलीज के लिए योजनाबद्ध किया गया था। हालांकि, सॉफ्टवेयर को बेहतर बनाने के लिए डेवलपर्स को अधिक समय की आवश्यकता थी। लेई जुन ने यह भी नोट किया कि हाल ही में घोषित एमआईयूआई 12.5 की बैटरी ऑप्टिमाइजेशन रेडमी नोट 11 प्रो बैटरी लाइफ में योगदान दे रही है। कंपनी ने घोषणा की कि एमआईयूआई 12.5 एन्हांस्ड प्रदर्शन से संबंधित कई बदलाव लाता है। अपडेट के साथ सिस्टम का प्रदर्शन 36 महीनों के बाद 5 प्रतिशत से भी कम गिर जाएगा। यह एटॉमिक या एटमाइज्ड मेमोरी फीचर भी लाएगा जो यूजर को बैकग्राउंड में और ऐप्स रखने देगा।

महंगाई की मार में अब टमाटर हुए 'लाल', 120 रुपए पहुंचे दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के अधिकांश शहरों में टमाटर की खुदरा कीमतें 80 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास चल रही हैं, लेकिन सरकारी आंकड़ों के अनुसार, व्यापक बारिश के कारण कुछ दक्षिणी राज्यों में इसका खुदरा भाव 120 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। चेन्नई में टमाटर का खुदरा भाव 100 रुपए प्रति किलो, पुडुचेरी में 90 रुपए प्रति किलो, बेंगलुरु में 88 रुपए प्रति किलो और हैदराबाद में 65 रुपए प्रति किलो हो गया है। केरल में टमाटर की खुदरा कीमतें कोट्टायम में 120 रुपए प्रति किलो, एर्नाकुलम में 110 रुपये प्रति किलो, तिरुवनंतपुरम में 103 रुपये प्रति किलो, पलक्कड़ में 100 रुपए प्रति किलो, त्रिशूर में 97 रुपये प्रति किलो तथा वायनाड और कोझीकोड में 90 रुपये प्रति किलो पर चल रही हैं। कर्नाटक में टमाटर का खुदरा भाव धारवाड़ में 85 रुपए किलो, मैसूर में 84 रुपए किलो, मेंगलूर में 80 रुपए किलो और बेल्लारी में 78 रुपए किलो है। आंध्र प्रदेश में टमाटर की कीमतें विजावाड़ा में 91 रुपए प्रति किलो, विशाखापत्तनम में 80 रुपए प्रति किलो और तिरुपति में 75 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई हैं। तमिलनाडु में रामनाथपुरम में टमाटर 119 रुपये प्रति किलो, तिरुनेलवेली में 103 रुपए किलो, तिरुचिरापल्ली में 97 रुपए किलो, कुड्डालोर में 94 रुपए किलो और कोयंबटूर में 90 रुपये किलो बिक रहा है। हालांकि, उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के 167 केंद्रों के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में टमाटर 72 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव बिक रहा है। आंकड़ों के अनुसार, टमाटर की खुदरा कीमतों में अक्टूबर की शुरुआत से वृद्धि शुरू हुई और नवंबर में यह उच्चस्तर पर बनी हुई हैं। आजादपुर टमाटर संघ के अध्यक्ष अशोक कौशिक ने कहा कि दक्षिण भारत से दिल्ली को टमाटर की आपूर्ति बारिश के कारण प्रभावित हुई है। अगर आने वाले दिनों में बारिश जारी रही, तो राष्ट्रीय राजधानी में कीमतें मौजूदा स्तर से भी बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्यों उत्तराखंड, राजस्थान और मध्य प्रदेश से देसी किस्म के टमाटर की आवक के कारण आजादपुर थोक बाजार में टमाटर की कीमतों में मंगलवार को थोड़ी गिरावट आई।

यह ऑस्ट्रेलियाई एशेज सीरीज में करेगा इंग्लैंड के गेंदबाजों का मार्गनदर्शन

लंदन । आस्ट्रेलिया के ट्रॉय कूले अगले महीने शुरू होने वाली एशेज श्रृंखला से पहले इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के साथ सलाहकार के तौर पर काम करेंगे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बुधवार को कहा कि ट्रॉय कूले ब्रिस्बेन में अपने प्रशिक्षण शिविर में गेंदबाजों की तैयारियों में मदद करने के बाद इंग्लैंड की ए टीम 'लायंस' के तेज गेंदबाजों की सहायता करेंगे, जो इस समय आस्ट्रेलिया में ही है। ईसीबी के परफार्मेंस निदेशक मो बोबाट ने कहा कि ट्रॉय को इस बात की अच्छी समझ है कि आस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में सफल होने के लिए क्या जरूरी है। खिलाड़ियों को उनकी मौजूदगी से काफी फायदा होगा। 55 वर्षीय कूले 2005 में एशेज जीतने वाले इंग्लैंड के गेंदबाजी कोच थे। इसके बाद वह क्रिकेट आस्ट्रेलिया से जुड़ गए और ब्रिस्बेन स्थित उत्कृष्टता केंद्र में काम किया। एशेज श्रृंखला का आगाज आठ दिसंबर को ब्रिस्बेन में खेले जाने वाले पहले टेस्ट से होगा।

रहाणे की कप्तानी में जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी टीम इंडिया

मैच सुबह 9 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा

कानपुर (एजेंसी)।

भारतीय टीम गुरुवार से मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में उतरेगी। टीम 20 सीरीज में जीत से उत्साहित भारतीय टीम का लक्ष्य दो टेस्ट मैचों की इस सीरीज में भी जीत का सिलसिला बनाये रखना रहेगा। इस मैच में आजिंक्य रहाणे भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे क्योंकि नियमित कप्तान विराट कोहली अवकाश पर हैं। वहीं चेतेश्वर पुजारा टीम के उपकप्तान होंगे। रहाणे इस सीरीज में रन बनाने के साथ ही अपने फार्म को भी हासिल करना चाहेंगे क्योंकि काफी समय से वह रन नहीं बना पाये हैं। इसके अलावा उनपर टीम को जीत दिलाने का भी दबाव रहेगा। पुजारा भी धीमी बल्लेबाजी के कारण निशाने पर रहे हैं। इसलिए वह भी इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। इस सीरीज में भारतीय टीम को बल्लेबाज लोकेश राहुल के बिना ही खेलना होगा। राहुल मांसपेशियों में खिंचाव के कारण सीरीज से ही बाहर हो गये हैं। ऐसे में पारी की शुरुआत मयंक अग्रवाल ओर शुभमन गिल करेंगे जबकि श्रेयस अय्यर और सूर्यकुमार में से किसी एक को नंबर चार पर उतारा जाएगा। मैच से एक दिन पहले ही रहाणे ने श्रेयस अय्यर के डेब्यू को लेकर बयान दे दिया है जिससे उनके खेलने की अधिक संभावना है। विराट कोहली, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत के नहीं होने से मध्यक्रम पहले से ही कमजोर दिख रहा है और इसके अलावा राहुल भी चोट के कारण बाहर हो गए हैं। इन हालातों को देखते हुए अय्यर और सूर्यकुमार विकल्प के रूप में टीम इंडिया के साथ जुड़े हैं पर रहाणे अय्यर को शामिल करना चाहते हैं अंतिम फैसला मैच से पहले होगा। अय्यर अपने कंधे की सर्जरी के बाद से संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने टीम में अपना दावा वापस मजबूत करने के लिए बहुत अधिक रन नहीं बनाए हैं जबकि दूसरी ओर इंग्लैंड दौरे पर बैकअप विकल्प के रूप में बुलाए गए सूर्यकुमार ने भी पिछले दो सत्रों में लाल गेंद से अधिक मैच नहीं खेले हैं। घरेलू सर्किट में अय्यर शानदार खिलाड़ी हैं। उन्होंने 81.54 की स्ट्राइक रेट के साथ 52.18 की औसत से 4,500 से अधिक रन बनाए हैं, जिसमें 54 मैचों में 12 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं हालांकि, टेस्ट टीम में कई नए खिलाड़ियों की तरह अय्यर ने भी पिछले 24 महीनों में कोई रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेली है। आखिरी बार उन्होंने प्रथम श्रेणी मैच 2019 में ईरानी कप में खेला था। जहां तक सूर्यकुमार का सवाल है उनकी सफेद गेंद की फॉर्म प्रशंसनीय रही है पर अब कार्यवाहक कप्तान रहाणे ने साफ कर दिया है कि श्रेयस डेब्यू करने जा रहे हैं। ऐसे में उनके नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने की उम्मीद है।काफी कुछ इस बात पर भी आधारित रहेगा कि कानपुर की पिच कैसे तैयार की जाती है। भारत ने आखिरी बार 2016 में एक टेस्ट मैच खेला था और तब से भारत ने 2017 में केवल एक टी20 अंतरराष्ट्रीय और एक वनडे खेला है। ग्रीन पार्क के हाल के इतिहास को देखते हुए स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद है।

अगले सत्र के लिए एटीपी ने खिलाड़ियों के लिए नए नियम जारी

न्यूयार्क (एजेंसी)।

द एसोसिएशन आफ टेनिस प्रोफेशनल (एटीपी) ने घोषणा की है कि अगले सत्र से जब खिलाड़ी मेडिकल या बाथरूम के लिए ब्रेक लेगा, तब उसके लिए एक नया नियम जारी किया जाएगा। नए नियम के मुताबिक, 2022 में होने वाले पहले टूर्नामेंट में अब खिलाड़ी बाथरूम जाने के लिए तीन मिनट से ज्यादा का समय नहीं ले सकेगा है। वहीं, कपड़े बदलने के लिए दो मिनट से ज्यादा का समय नहीं ले सकता हैं। यह नियम इसलिए बनाया गया है कि प्रतियोगिता कठिन होने के साथ खिलाड़ी खेल आसान बनाने के लिए वह एक लंबे समय का ब्रेक लेते हैं। मंगलवार को एटीपी ने यह नियम जारी कर खिलाड़ियों से टेनिस कोर्ट में ज्यादा ब्रेक नहीं लेने की सलाह दी है। एटीपी ने कहा कि पोशाक में परिवर्तन के लिए समय तभी दिया जाएगा जब चेयर अंपायर द्वारा इस नियम को अधिकृत किया जाएगा नहीं तो बाथरूम के ब्रेक के दौरान ही पोशाक में खिलाड़ियों द्वारा परिवर्तन किया जा सकेगा। एटीपी ने कहा कि खिलाड़ी एक मैच में एक बार ही बाथरूम के लिए विराम ले सकता है। वहीं, पूरे मैच में एक बार ही खिलाड़ी मेडिकल के लिए तीन मिनट का समय ले सकता है। अगर खिलाड़ी इन नियमों का पालन करने में उल्लंघन करता है तो वो खेल के दौरान बनाए हुए अंक खो देगा।

अहिका और साथियान अगले दौर में, मनिका और शरत हारे

ह्यूस्टन । अमरीका के ह्यूस्टन में मंगलवार से शुरू हुई आईटीटीएफ विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2021 के फाइनल में भारत की मिलीजुली शुरुआत रही। पहले दिन जहां अहिका मुखर्जी और जी साथियान ने अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों को हरा कर 64वें दौर में प्रवेश किया, वहीं मनिका बत्रा और शरत कमल अपने-अपने मैच हार गए। अहिका ने मिस्र की फराह अब्देल अजीज पर 4-2 (11-7, 14-16, 8-11, 11-6, 11-9, 11-6) से आसान जीत दर्ज की और महिला एकल के 64वें राउंड में अपना स्थान सुनिश्चित किया। उनका अगला मुकाबला जापान की हिना हयाता से होगा। वहीं पुरुष एकल में जूनियर विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता साथियान ने 128वें राउंड में यूक्रेन के यारोस्लाव जमुदेंको को सीधे सेटों में 4-0 (11-2,11-9,11-4, 11-3) से हराया। प्रभावशाली जीत के बाद अब 64वें राउंड में उनका सामना रूस के व्लादिमीर सेदोरेंको से होगा। इस बीच 30वें रैंक वाले अनुभवी भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल को बेल्जियम के निचले रैंक के खिलाड़ी सेड्रिक नुयटिंक से 1-4 (11-9, 5-11,6-11, 7-11, 9-11) से बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इसी तरह राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता एवं स्टार भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा महिला एकल के शुरुआती दौर के मैच में कड़े संघर्ष के बावजूद ब्राजील की अपनी प्रतिद्वंद्वी बूना ताकाहाशी को हराने में नाकाम रहीं। उन्हें 3-4, (11-5, 15-13, 8-11, 4-11,6-11, 11-4, 7-11) से हार का सामना करना पड़ा। मनिका हालांकि अपनी जोड़ीदार अर्चना कामथ के साथ महिला युगल स्पर्धा में भाग लेंगी, जहां उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी। वे राउंड ऑफ 32 में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

भारत/न्यूजीलैंड टेस्ट मैच : मैच में वापसी करना बड़ी चुनौती नहीं : काइल जैमीसन

कानपुर (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड किक्रेट टीम के आल राउंडर खिलाड़ी काइल जैमीसन ने कहा कि वो ऐसा महसूस करते हैं कि भारत के अंदर किक्रेट खेलना कोई बड़ी चुनौती नहीं है। उन्होंने कहा कि वह टीम के तेज गेंदबाज नील वैगनर और टिम साउदी से इस बारे में विचार विमर्श करेंगे कि पिच में भारतीय टीम के बल्लेबाजों को किस तरह की गेंद फेंकनी है, जिससे टेस्ट मैच के रोचक मुकाबले में जीत हासिल की जा सके। जैमीसन ने कहा, मैंने बहुत ज्यादा यहां क्रिकेट मैच नहीं खेले हैं। हमारे पास दो ऐसे तेज गेंदबाज हैं जो भारतीय टीम को बाउंस फेंकने में माहिर हैं और वो अच्छे से जानते है कि हमे किस तरह की पिच में गेंदबाजी करनी है। उन्होंने न्यूजीलैंड की एक न्यूज एजेंसी में कहा कि टीम के लिए यह मैच एक चुनौतियों से भरा मैच होगा। जैमीसन ने साउथैंपटान में खेले गए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जीते तीन टेस्ट में न्यूजीलैंड टीम की तरफ से एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। लेकिन कानपुर में बृहस्पतिवार को भारत के खिलाफ रोचक मुकाबले में जैमीसन के खेलने की संभावना नहीं हैं। जैनीसन ने कहा कि अगर मैं खेल में एक नई गेंद के साथ पिच पर उतरूं तो मैं मैच की परिस्थितयों को देखते हुए बल्लेबाजों को स्विंग कराने की कोशिश करूंगा, इस ओर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि टी20 वर्ल्ड कप में उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला, यह मेरे लिए एक चुनौती भरा था। जैमीसन ने टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ मुकाबलों में 14.17 की औसत से 46 विकेट लिए हैं। साथ ही पांच बार पांच विकेट लेने का कारनामा दिखाया है। बता दें कि, भारत में खेले जा रहे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में पहला टेस्ट मुकाबला न्यूजीलैंड के लिए चुनौती भरा हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

नस्लवाद के आरोपों के कारण एसेक्स प्रायोजकों ने टीम के साथ करार खत्म किया

लंदन। एसेक्स के प्रमुख प्रायोजकों ने काउंटी क्रिकेट को प्रभावित करने वाले नस्लवाद के आरोपों के कारण टीम के साथ अपने संबंधों को खत्म कर दिया है। यॉर्कशायर के क्रिकेटर अजीम रफीक द्वारा काउंटी टीम में अपने लगभग एक दशक लंबे करियर के दौरान हुए नस्लवाद के मुद्दे को संसदीय समिति के समक्ष उठाने के बाद, प्रायोजक सीटेक द्वारा क्लब के साथ कटौती करने के बाद एसेक्स टीम मुश्किल में आ गई है। गेंदबाज जाहिद अहमद ने मंगलवार को एसेक्स काउंटी के तीसरे पूर्व खिलाड़ी बन गए जिन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने टीम के लिए खेलते समय नस्लीय दुर्व्यवहार का अनुभव किया। इनके साथ ही मौरिस चेम्बर्स ने भी टीम के खिलाफ भेदभाव का आरोप लगाया है। 2005 से 2009 के बीच सात प्रथम श्रेणी मैचों में एसेक्स का प्रतिनिधित्व करने वाले जाहिद ने क्लब को गोरों का एक टीम बताया, साथ ही ब्राउन लोगों को बाहरी करार दिया। उन्होंने कथित तौर पर टीम के साथी पर आरोप लगाया कि उन्होंने उनको क्लब को बम से उड़ाने वाला बताया था। द क्रिकेटर के साथ एक साक्षात्कार में, गेंदबाज ने आरोप लगाया कि एक वरिष्ठ कोच ने उन्हें धमकाया और कुछ खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के सदस्यों ने उनकी आवाज का मजाक उड़ाया।

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनगिडी, नीदरलैंड सीरीज से पहले कोरोना पॉजिटिव

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड के बीच 26 नवंबर से शुरू हो रही तीन मैचों की एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज से पहले तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं और उन्होंने सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया है। इस बारे में क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने बुधवार को जानकारी दी है।अब तक सिर्फ दो वनडे खेलने वाले 31 साल तेज गेंदबाज कार्ल जूनियर डाला को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया है। सीएसए ने एनगिडी के स्वास्थ्य व अन्य सदस्यों के उनके संपर्क में आने की किसी प्रकार की कोई जानकारी नहीं दी, जिन्होंने 29 मैचों में 54 एकदिवसीय विकेट लिए हैं। तीनों एकदिवसीय मैच सेंचुरियन में खेले जाएंगे। वहीं, दूसरा वनडे 28 नवंबर और तीसरा वनडे 1 दिसंबर को खेला जाएगा। ऐसा पहली बार है जब नीदरलैंड दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज खेलेगा। यह सीरीज, आईसीसी क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग का हिस्सा है, यह टूर्नामेंट 2023 में आयोजित किया जाएगा है। दक्षिण अफ्रीका इस समय सूची में नौवें स्थान पर है।

आईसीसी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में राहुल और रिजवान ने हासिल की बढ़त

दुबई (एजेंसी)।

भारत के केएल राहुल और पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान ने वरीयता में एक-एक पायदान की छलांग के साथ आईसीसी टी20 बल्लेबाजी की ताजा रैंकिंग में पांचवां और चौथा स्थान प्राप्त किया हैं। पाकिस्तान के विकेटकीपर-बल्लेबाज रिजवान को बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 90 रन की बदौलत उनको आईसीसी टी20 बैटिंग रैंकिंग में एक पायदान का फायदा हुआ है और साथ ही सीरीज में 3-0 से जीत हासिल की थी। सलामी बल्लेबाज राहुल न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों में 80 रन बनाने के बाद रिजवान से छह अंक पीछे हैं। लेकिन उन्हें भी एक पायदान का मुनाफा हुआ है, जिससे वह छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। यहां भी भारत ने सीरीज को 3-0 से अपने नाम की थी। न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल, जिन्होंने भारत के खिलाफ 152 रन बनाए थे, उनको तीन स्थानों का फायदा हुआ है, जिससे वह 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में रोहित शर्मा, जिन्होंने सीरीज में 159 रन बनाकर शीर्ष रहे थे, उनको दो पायदान का फायदा हुआ है और वह 13वें स्थान पर हैं। सूर्यकुमार यादव 24 पायदान चढ़कर 59वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के फखर जमान बल्लेबाजों की सूची में पांच पायदानों की छलांगों के साथ 35वें स्थान पर आ गए हैं। इस नई ताजा बल्लेबाजी रैंकिंग में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम टॉप हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर इंग्लैंड के डेविड मलान हैं। दूसरी तरफ, भारत के खिलाफ सीरीज में चार विकेट लेने वाले मिशेल सेंटनर को गेंदबाजी रैंकिंग में 10 स्थानों का लाभ मिला है, जिससे वह 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस सूची में भारत के गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 19वें तो दीपक चाहर 40वें स्थान पर मौजूद हैं।

श्रेयस अय्यर टेस्ट में करेंगे डेब्यू: रहाणे

कानपुर (एजेंसी)।

भारतीय टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने बुधवार को बताया कि ग्रीनपार्क स्टेडियम में बृहस्पतिवार को खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रेयस अय्यर भारतीय टीम के साथ टेस्ट मैच खेलेंगे। मीडिया से बातचीत करते हुए रहाणे ने बताया कि अय्यर अपना टेस्ट में डेब्यू करेंगे। मैच में पहले बल्लेबाजी करने के लिए रोहित शर्मा और केएल राहुल की अनुपस्थिति में मयंक अग्रवाल और शुभम गिल दूसरी ओर से बल्लेबाजी करने उतरेंगे। राहणे ने बताया कि भारतीय टीम के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की कमी टीम को खलेगी लेकिन युवा खिलाड़ी अपने बेहतर प्रदर्शन से टीम को जीत की ओर ले जाएंगे। उन्होंने बताया कि भारतीय टीम के बल्लेबाज केएल राहुल के चोट लगने पर वह टेस्ट सीरीज से बाहर हैं जिससे टीम के खिलाड़ियों और मैच देखने वाले दर्शकों को टीम में उनकी कमी खलेगी। मगर उनके पास टीम में ऐसे खिलाड़ी है जो अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी से न्यूजीलैंड की टीम को मात दे सकते हैं। भारतीय टीम के कप्तान ने टीम के तीन स्पिनरों की ओर इशारा करते हुए कहा कि पिच में इन स्पिनर गेंदबाजों को सफलता मिल सकती है जो धीमी गति से अपनी गेंदबाजी कर बल्लेबाज को चकमा दे सकते हैं। भारतीय टीम के गेंदबाज धीमी गति के साथ गेंदबाजी कर विकेट चटकाने में माहिर हैं।

विश्व कप के मेजबान कतर ने CIA के पूर्व अधिकारी से कराई थी फीफा की जासूसी

वाशिंगटन । कतर ने 2022 में होने वाले विश्व कप फुटबॉल की मेजबानी हासिल करने और उसे बनाए रखने के लिए विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अधिकारियों की जासूसी करने में सीआईए के एक पूर्व अधिकारी की मदद ली थी। एसोसिएटेड प्रेस की एक जांच में इसका खुलासा हुआ है। विश्व कप फुटबॉल दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल टूर्नामेंट हैं जिसकी मेजबानी करने से विश्व के सबसे धनी देशों में से एक कतर को विश्व पटल पर खुद को स्थापित करने का मौका मिलेगा। एपी की जांच में पाया गया कि कतर ने मेजबानी की दौड़ में शामिल अन्य देशों तथा 2010 में मेजबान का चयन करने वाले प्रमुख फुटबॉल अधिकारियों की जासूसी करने के लिये सीआईए के पूर्व अधिकारी केविन चाल्कर की सेवाएं ली थी। चाल्कर ने फुटबॉल जगत में देश के आलोचकों पर नजर रखने के लिये बाद के वर्षों में भी कतर के लिये काम किया। एपी की जांच चाल्कर के पूर्व सहयोगियों से बातचीत के अलावा विभिन्न ठेकों, खरीदारी के बिलों, ईमेल और व्यावसायिक दस्तावेजों की समीक्षा पर आधारित है। दस्तावेजों की जांच में पाया गया कि जासूसी कार्य में प्रतिद्वंद्वी देशों की बोलियों पर निगरानी रखने के लिए किसी का फोटो पत्रकार बनना और फेसबुक पर आकर्षक महिला के रूप में पेश होकर लक्ष्य के करीब पहुंचना भी शामिल था।

भारतीय स्पिनर्स को खेलने के लिए एक अलग तरीका अपनाने की जरूरत : विलियमसन

कानपुर (एजेंसी)।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 25 नवंबर से दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होने वाला है। पहला टेस्ट मैच कानपुर के ग्रीन पार्क में खेला जाएगा। इससे लेकर कीवी कप्तान केन विलियमसन का मानना है कि उनकी टीम को भारतीय स्पिनर्स को खेलने के लिए एक अलग तरीका अपनाने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, कैंप में गुरुवार को पहले टेस्ट मैच को लेकर विचार-विमर्श चल रही है। आखिरी बार न्यूजीलैंड ने टेस्ट सीरीज के लिए भारत का दौरा 2016 में किया था, तब अश्विन (27 विकेट) और जडेजा (14 विकेट) की शानदार गेंदबाजी के कारण कीवियों की सीरीज में 3-0 से हार हुई थी। विलियमसन ने बुधवार को आईएएनएस के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, हम भारतीय स्पिन गेंदबाजों की ताकत को जानते हैं और उन्होंने यहां लंबे समय से शानदार गेंदबाजी की हैं। हमारे लिए एक अलग तरीके से खेलना सही होगा। साथ ही स्कोर करना और साझेदारी का निर्माण करना बेहद महत्वपूर्ण रहेगा। उनके मुताबिक, हर खिलाड़ी अलग है, इसलिए उनके तरीके एक-दूसरे से थोड़े अलग होंगे लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि कुछ चुनौतियों के लिए जितना संभव हो सके कोशिश करने और तैयारी करने की जरूरत है। हम जानते है कि हम उन्हें खेलने जा रहे हैं। अश्विन और जडेजा की घरेलू परिस्थितियों में मिली सफलता को देखते हुए विलियमसन को लगता है कि वह सीरीज के नतीजे में निर्णायक भूमिका निभाएंगे, क्योंकि उन्होंने घरेलू हालातों में बेहतरीन गेंदबाजी की हैं। विलियमसन के अनुसार, मुझे यकीन है कि पूरी सीरीज में, स्पिन गेंदबाज एक महत्वपूर्ण रोल अदा करेंगे। हालांकि मुझे लगता है कि कानपुर का मैदान थोड़ा अलग है और हम यहां 2016 में आखिरी मैच में खेले थे। इसलिए परिस्थितियों को जल्द से जल्द समझना हमारे लिए अच्छा होगा। विलियमसन ने भारतीय परिस्थितियों में स्पिनर्स को मिलने वाली मदद को बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौतियों में से एक बताया है। उन्होंने कहा, हम गेम प्लान के साथ आने की कोशिश करेंगे, ताकि स्कोर करने के दौरान उसका पालन कर सकें, जिससे हमें खेलने में मदद मिलेगी। पहले यहां कई टीमें आई हैं और इसी तरह की चुनौतियों का सामना किया है। इसलिए, उम्मीद है कि हमें भी पूरी सीरीज में स्पिन का सामना करना होगा। इसके लिए खिलाड़ी हर तरह की तैयारी करने का प्रयास कर रहे हैं और उस चुनौती का इंतजार कर रहे हैं।

अपनी फॉर्म को लेकर बोले अजिंक्य रहाणे- हर मैच में शतक नहीं लगा सकता

कानपुर । अजिंक्य रहाणे को अपनी खराब फॉर्म से संबंधित सवाल पूछना अच्छा नहीं लगा जिस पर उन्होंने कहा कि उनकी फॉर्म के बारे में चिंताएं आधारहीन हैं और योगदान का मतलब प्रत्येक मैच में टेस्ट शतक जमाना नहीं है। रहाणे ने इस साल में 11 टेस्ट मैचों में 19 के औसत से रन बनाये हैं। उन पर यह दबाव दिखाई दिया और उन्होंने कहा कि एक विशेषज्ञ शीर्ष क्रम के बल्लेबाज द्वारा बनाए गए '30, 40 या 50 रन' भी स्वीकार्य योगदान होगा, बशर्ते टीम जीत जाए। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले रहाणे ने कहा कि अपनी फॉर्म के बारे में चिंतित नहीं हूं। मेरा काम अपनी टीम के जितना संभव हो सके, उतना योगदान करना है। योगदान का मतलब यह नहीं है कि आपको प्रत्येक मैच में 100 रन बनाने की जरूरत है। प्रति पारी 30, 40, 50 रन का स्कोर भी महत्वपूर्ण योगदान हैं। रहाणे स्वीकार नहीं करेंगे लेकिन वह जानते हैं कि जहां तक दक्षिण अफ्रीका दौरे की श्रृंखला के लिए चयन का संबंध है तो कानपुर और मुंबई (दूसरा टेस्ट) में खराब स्कोर से वह मुश्किल स्थिति में पहुंच सकते हैं। भविष्य के बारे में उनके विचार थे कि 'जो होगा सो होगा'। उन्होंने कहा कि भविष्य में क्या होना वाला है, मैं उसे लेकर ज्यादा चिंतित नहीं हूं। भविष्य में जो होना होगा, वो होगा ही और मुझे वर्तमान में बने रहने की जरूरत है ताकि मैं इस समय अपना सर्वश्रेष्ठ दूं। यह पूछने पर कि क्या यह संभव है कि बल्लेबाज और कप्तान को अलग अलग करके देखा जाए।जब मैं बल्लेबाजी कर रहा होता हूं तो मेरा ध्यान सिर्फ बल्लेबाजी पर होता है और मैं उसी क्षण में होता हूं। यह इतना ही सरल है। जब मैं क्षेत्ररक्षण कर रहा होता हूं तो मैं सोच रहा होता हूं कि हमारी योजनायें किस तरह की हैं और रणनीति कैसी है।

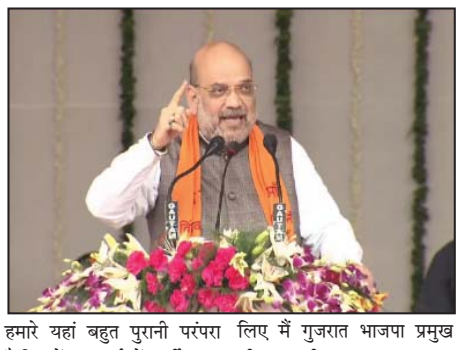

सूरत में एक छोटा भारत बसता है, जहां प्रत्येक राज्य के नागरिक रहते हैं : अमित शाह

अहमदाबाद। केन्द्रीय गृह एवं सहकार मंत्री ने आज कहा कि दक्षिण गुजरात के सूरत में एक छोटा भारत बसता है, जहां देश के प्रत्येक राज्य के नागरिक रहते हैं। अमित शाह सूरत में आयोजित स्नेह मिलन समारोह को वर्च्युअली संबोधित कर रहे थे। बुधवार को सूरत में शहर भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील की अध्यक्षता में स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने भाजपा कार्यकर्ताओं को नए वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे यहां बहुत पुरानी परंपरा है,जिसमें नव वर्ष में पार्टी नूतन वर्षाभिनंदन कार्यक्रम और स्नेह मिलन कार्यक्रम करती है। उन्होंने कहा कि आज सूरत आना चाहता था, लेकिन वर्च्युअली आप से मिलने का अवसर मिला। इसके लिए मैं गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील का आभार व्यक्त करता हूं। अमित शाह ने कहा कि सीआर पाटील से दिसंबर में कोई कार्यक्रम आयोजित कर सूरत के लोगों से प्रत्यक्ष मिलने का कोई अवसर अवश्य देना। उन्होंने कहा कि सूरत में एक छोटा भारत बसता है, जहां देश के हरेक राज्य का नागरिक रहता है। सूरत में विजय का मतलब है पूरे भारत का मेन्डेट। 31 वर्ष से सूरत शहर लगातार भाजपा को विजयी बनाता रहा है। सूरत शहर का भाजपा संगठन देशभर में और गुजरात में ऐसा संगठन है जिसने पिछले 31 वर्ष में एक भी चुनाव में भाजपा को हारने नहीं दिया। गुजरात की जनता का भाजपा लगातार आशीर्वाद रहा है और उसमें भी सूरत ऐसा जिसने भाजपा को कभी पराजित नहीं होने दिया। वह फिर नगर निगम हो, विधानसभा हो, लोकसभा हो या फिर जिला या तहसील पंचायत का चुनाव हो, प्रत्येक चुनाव में सूरत की जनता ने भाजपा को विजयी बनाया है। इसके लिए मैं सूरत के कार्यकर्ताओं को दो हाथ जोड़कर प्रणाम करता हूं। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में देशभर में सूरत दूसरा नंबर मिला है, जिसके लिए सूरत शहर के मेयर और उनकी टीम से जुड़े सभी अधिकारी-कर्मचारी समेत भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करता हूं। अगले साल जब यह सर्वेक्षण हो तब सूरत शहर देशभर में पहला नंबर प्राप्त करे इसका संकल्प हमे आज करना चाहिए।

चमत्कारी हनुमान मंदिर देव भूमि डिंडोली पर संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा आज से
विशाल कलश यात्रा के साथ शुभारंभ

(संवाददाता विवेक चौबे)

सूरत. शहर के डिंडोली विस्तार छठ सरोवर तालाब के समीप स्थित श्री चमत्कारी हनुमान मंदिर देवभूमि डिंडोली परिसर में आज 4:00 बजे से कलश यात्रा के शुभारंभ के साथ संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ की शुरुआत जन कल्याण हेतु तथा साथ ही साथ श्री चमत्कारी हनुमान मंदिर निर्माण हेतु प्रारंभ हो रहा है जो आगामी 3 नवंबर तक यथावत चलेगा श्रीमद् भगवद् कथा ज्ञान यज्ञ के व्यास श्री वृन्दावन धाम श्री अनादिजी महाराज द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का रसपान एवं श्री भागवद भगवान का आशीर्वाद तमाम जनमानस को प्राप्त होगा इस संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन समिति के सभासद सरोज तिवारी, ललन झा, जय सिंह, धनंजय गुप्ता, बालकिशन सारस्वत, कुंभाराम कायल, मुन्ना तिवारी, नरेंद्र मिश्रा, रणधीर पोद्दार, नीरज चौबे, सुधीर केसरी, संजय पाटिल ,ज्ञानेश्वर सिंह, शिवरतन डेलू, के साथ तमाम अंबिका टाउनशिप, अंबिका रो हाउस अंबिका हैवन के रहीवासियों तथा तमाम भागवत प्रेमियों के सहयोग से किया जा रहा है. आज शाम 3:00 बजे से कलश यात्रा की शुरुआत होगी तत्पश्चात मंडप प्रवेश होगा कल शाम 6:00 बजे से श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में भगवान भागवत की अनंत लीलाओं का वर्णन आगामी 2 दिसंबर तक चलेगा तत्पश्चात 3 तारीख को भागवत कथा के विराम के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा साथ ही मंदिर निर्माण हेतु दानदाता भामाशाहों की सूची जिन की सहयोग राशि 11,000 से अधिक होगी उनका नाम सिलापट में भी उल्लेख किया जाएगा ।

२०० युवतियों का धर्मांतरण कराने के बाद निकाह कराया गया

वडोदरा।

यूपी में धर्मांतरण और फंडिंग मामले में नये नये खुलासे हो रहे हैं। आज उमर गौतम को लेकर और एक खुलासा हुआ है, जिसमें उसने २०० युवतियों का धर्मांतरण कराने के बाद निकाह कराने की जांच में सामने आने से खलबली मच गई है। इसके अलावा उमर गौतम ने बहरे गूंगे सहित अलग-अलग धर्म के एक हजार लोगों का धर्मांतरण कराया। पुलिस ने पूछताछ में उमर गौतम ने कई खुलासे किए थे।

दिल्ली दंगा और प्रदर्शन को प्रोत्साहन देने के लिए भी विदेशी फंडिंग के रुपये का उपयोग किए जाने का सामने आया है। इसके अलावा नकली बिलों और कई एंट्री बनाकर ६० करोड़ ट्रस्ट के हेतु विरूद्ध इस्तेमाल किया है। पुलिस ने इस मामले में हुसेन मनसुरी, उमर गौतम तथा सलाउदीन के खिलाफ चार्जशीट फाइल की गई है। एसआईटी की टीम ने ८८ दिन में १८६० पेज की चार्जशीट फाइल कर दी है। जिसकी वजह से अब्दुल्ला फेफडावाला सहित दोनों को वांटेड घोषित किया गया है। पुलिस पूछताछ में उमर गौतम ने धर्म परिवर्तन और फंडिंग मुद्दे बताया है कि उसने पिछले कई वर्षों में यूपी में करीब १ हजार से ज्यादा बहरे गूंगे सहित लोगों का धर्म परिवर्तन कराया है। पहले की पुलिस पूछताछ में उमर गौतम निराश हो गया था और इस मुद्दे पर उसने कराये धर्म परिवर्तन में कई महिलाएं होने का भी उल्लेख किया था। उमर गौतम और सलाउद्दीन शेख की अलग-अलग मुद्दे पर पूछताछ की जा रही है। यहां उल्लेखनीय है कि, उमर गौतम ने पुलिस को बताया है कि उसने गीता, कुरान, बाइबल सहित सभी धर्म के ५ हजार जितने धार्मिक पुस्तकों को पढ़ा था। इसके

परिवार में यह एक सिर्फ धार्मिक व्यक्ति था और इसके पिता धर्म में मानते भी नहीं थे।

कुरान पढ़कर यह मुस्लिम धर्म के प्रति आकर्षित हुआ था, उसने अपनी इच्छा से उसने इस्लाम धर्म में परिवर्तित हो गया था और बाद में उसने धर्म परिवर्तन का काम शुरू किया था। उमर गौतम अपने भाषणों में मुस्लिम धर्म सबसे श्रेष्ठ होने का बताता था।

सरकारी कार्यों में कीमत वृद्धि देने के लिए ठेकेदारों की मांग

गुजरात ठेकेदार एसोसिएशन की मीटिंग में प्रस्ताव करके राज्य सरकार से पेशकश की गई

अहमदाबाद।

गुजरात ठेकेदार एसोसिएशन के सान्निध्य में हाल में हुई मीटिंग में कोरोना महामारी के बाद पिछले कई दिनों से गुज रात राज्य के सरकारी कार्यों में इस्तेमाल होता माल-सामान जैसे कि, स्टील, सिमेंट, डामर, रेती, कपची, ईंट, ट्रांस्टपोर्टेशन तथा कारीगरों और मजदूरी की कीमत में करीब ३० फीसदी से ४० फीसदी वृद्धि हुई है, इस मामले में विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। यह मीटिंग में पूरे गुजरात के २०० से ज्यादा सदस्य मौज ूद रहे थे। सर्वे सदस्यों की लंबी विचार-विमर्श अंत में सरकारी कार्यों मंजूर हुई नीविदा की कीमत से पूरा करना असंभव होने से मीटिंग में सर्वसम्मित से प्रस्ताव पारित किया गया और ठेकेदारों को हो रही परेशानी मामले में राज्य सरकार को आवेदनपत्र देकर पेशकश की गई है। गुजरात ठेकेदार एसोसिएशन के चेयरमैन अरविंद पटेल ने बताया है कि, राज्य सरकार और महानगरपालिका आदि जगहों पर विभिन्न प्रोजेक्ट के कामकाज करते सरकारी ठेकेदार निर्माण काम क्षेत्र में इस्तेमाल होता रो मटीरियल्स आदि में समय -समय पर बढ़ रही कीमत से वृद्धि से परेशान हो गये है।

राज्य में यह कीमत में काम नहीं हो सकता है और निर्माणकाम क्षेत्र में इस्तेमाल होता स्टील, सिमेंट, रेती, डामर, कपची, ईंट सहित के मटीरियल तथा ट्रांसपोर्टेशन सहित के साधनों के किराये में तथा कारीगरों और मज दूरी की कीमत में भारी वृद्धि से परेशान हो उठे छोटे-बड़े ठेकेदार वर्तमान समय में निर्माणकाम क्षेत्र में इस्तेमाल होता माल-सामान आदि में जिस प्रकार से कीमत वृद्धि हुई है इसकी वजह से ठेकेदारों को पुरानी कीमत में काम नहीं कर सकते है और भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

यह बैठक में मटीरियल की कीमत वृद्धि के खिलाफ राज्य सरकार और महानगरपालिका द्वारा आरबीआई इंडेक्स के अनुसार कीमत वृद्धि चुकाया जाता है।

संवाददाता विवेक चौबे - गत दिनों मुंबई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फेम अवार्ड 2021 में सूरत के युवा उद्यमी इशिता हाउस के संचालक सुनील पाटिल को बेहतरीन एवं सर्वाधिक लोकप्रिय साड़ी निर्माता कंपनी के खिताब से बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद के हाथों नवाजा गया। यह पुरुस्कार सूरत तथा देश के युवा उद्यमीयों के लिए बहुत बड़ी मिसाल हैं। मेहनत लगन और अगर प्रबल इच्छा शक्ति हो तो किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता हैं जिसका उदहारण इस पुरस्कार से नवाज़े गए स्वयं सुनील पाटिल है जिन्होंने अनवरत अपने प्रयास को जरी रखा और बेहतर से बेहतर उत्पाद साड़ी इंडस्ट्री को देने का प्रयास किया। जिसके परिणाम स्वरुप उनका यह परिश्रम एवं उनकी कड़ी मेहनत रंग लायी और आज अंतर्राष्ट्रीय अस्तर की प्रतियोगिता में सर्वाधिक लोकप्रिय साड़ी निर्माता कंपनी के खिताब से नवाज़े गये।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल और प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने युवा मोर्चा बाइकरैली सहित हजारों कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया

सूरत: भारतीय जनता पार्टी गुजरात और सूरत शहर के एक संयुक्त उद्यम ने सूरत के परिसर में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ नए साल का पुनर्मिलन समारोह आयोजित किया।

यूथ फ्रंट बाइक के साथ मुख्यमंत्री व प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल का हजारों कार्यकर्ताओं की भीड़ ने च्भारत माता की जयज् और च्वंदे मातरमज् के नारों से भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमिताभई शाह ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि सूरत शहर ने पूरे भारत में स्वच्छता में दूसरा स्थान पाकर गुजरात का गौरव बढ़ाया है। जिसके लिए पदाधिकारी,स्वच्छता के दूत, उन्होंने संगठन के कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए उनसे आने वाले वर्ष में प्रथम आने का संकल्प लेने का अनुरोध किया. प्रधानमंत्री के नेतृत्व में

पूरे देश में चहुंमुखी विकास हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी का एक कार्यकर्ता कोरोना के मुश्किल समय में जनता के साथ खड़ा है.सूरत लिटिल इंडिया के रूप में विकसित एक शहर है।सूरत की जीत भारत का जनादेश है। यहां सौराष्ट्र के लोगों ने अपने अपार प्रयासों से सूरत को बदलने का काम किया है। समुद्री व्यापार हो या हीरा, कपड़ा, सूरतियों ने हर क्षेत्र में अपना लोहा मनवाया है। ताकि गुजरात की आर्थिक राजधानी की क्षमता सूरत में निहित हो, उन्होंने कहा।

उन्होंने कहा कि गुजरात की भारतीय जनता पार्टी ने जो मॉडल पेज प्रेसिडेंट के रूप में स्थापित किया है, जिस मॉडल से लोगों के बीच रहकर किसी भी तरह से समाज सेवा की जा सकती है, वह पूरे देश में अनुकरणीय है।

कांग्रेस का कोरोना से मौत के झूठे आंकड़े जारी कर गुजरात को बदनाम करने का प्रयास : वाघाणी

गांधीनगर । गुजरात सरकार के प्रवक्ता और शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने आज स्पष्ट किया है कि कोरोना से मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन किया जाएगा और क्राइट एरिया के मुताबिक आर्थिक सहायता दी जाएगी। संख्या चाहे कितनी ही क्यों न हो। कोरोनाकाल में मृत्यु और कोरोना से हुई मौत में काफी अंतर है। वाघाणी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस कोरोना के झूठे आंकड़े जारी कर गुजरात को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में मामला विचाराधीन है और उसके आदेश पर किसी प्रकार की टिप्पणी करना उचित नहीं है। गुजरात सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर दिया है। कोरोना से जितनी मौत हुई हैं, उसके आंकड़े राज्य विधानसभा में भी पेश किए गए हैं। राज्य में कोरोना से 10088 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि कोरोना के दौरान अलग अलग बीमारी से मौत हुई तो उसके आंकड़े अलग अलग हो सकते हैं। राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक आर्थिक सहायता करने को तैयार है। कोरोना से मृतांक चार लाख हो, तीन लाख हो चाहे ढाई लाख हो, उसके क्राइट एरिया तय होने के मुताबिक राज्य सरकार आर्थिक सहायता देगी। जीतु वाघाणी ने कहा कि गुजरात की जनता कांग्रेस को पसंद नहीं करती, इसलिए कांग्रेस गुजरात को बदनाम करने के कार्यक्रम कर रही है। कांग्रेस केवल और केवल गुजरात को बदनाम करने का एजंडा है। कांग्रेस गुजरात

को बदनाम करने के लिए कोरोना से तीन लाख की मौत का दावा कर रही है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में कोरोना से 14028, पंजाब में 16553, राजस्थान में 8954, छत्तीसगढ में 135-52, आम आदमी पार्टी शासित दिल्ली में 25091 मौत हुई है। जिसके मुकाबले गुजरात में 10088 लोगों की कोरोना से मौत हुई है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि राहुल गांधी को कांग्रेस शासित राज्यों के कोरोना से मौत के आंकड़े जारी करने चाहिए। कोरोनाकाल के दौरान मौत और कोरोना से हुई मौतों के आंकड़ों में अंतर है। उन्होंने कहा कि गुजरात में कोरोना से हुई मौत के मामले में प्रमाण पत्र दिए गए हैं और उसका आंकड़ा 10088 है। गुजरात में कोरोनाकाल में जो मौत हुई है उसे डब्ल्यूएचओ और स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन के मुताबिक मृत्यु प्रमाण पत्र दिए गए हैं। कोरोनाकाल में अन्य बीमारी से हुई मौत के आंकड़े अलग हो सकते हैं। कांग्रेस के गैर जिम्मेदाराना बयान की कड़ी आलोचना करते हुए वाघाणी ने कहा कि वह गुजरात को बदनाम करने की कोशिशें बंद कर दे, राज्य सरकार इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। झूठ बोलना, जोर से बोलना यह कांग्रेस का स्वभाव है। बगैर अध्ययन और आधारहीन बयान देकर गुमराह करने का कांग्रेस जो प्रयास कर रही है उससे गुजरात की जनता बखूबी वाकिफ है। गुजरात सरकार के कामकाज से राज्य की जनता संतुष्ट है और हमेशा रहेगी। कांग्रेस अब गुजरात में सत्ता पाने के सपने देखने छोड़ दे।

सूरत में अध्यात्मा नगरी के संयम की मांडवे दिक्षार्थी को राजश्री की बधाई

75 सामूहिक दीक्षाओं के पांच दिवसीय पर्व की पूर्व संध्या पर राजश्री द्वारा दीक्षाओं का अभिनंदन किया गया। सलामी के लिए शहर में मुख्यमंत्री समेत राज्य के बड़े नेता मौजूद थे. सूरत में जैन समुदाय के लिए राजनीतिक नेताओं तक पहुंचने का यह पहला अवसर था। इस मौके को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़ पड़े।

श्री शांतिकनक श्रमणोपसाक ट्रस्ट अध्यात्म परिवार ने 75-75 दीक्षाओं का सामूहिक दीक्षा उत्सव शुरू किया है जो च्गुरु योगज् शब्द से अलग हो गए हैं 40,000 से अधिक सरकारी मित्रों के परिवारों में राजश्री अभिवादन कार्यक्रम के तहत दीक्षा के लाभ के लिए

मिठाई भेंट का उद्घाटन मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने दीक्षा के संदेश के साथ किया. हालाँकि, मिठाई की एक प्रतिकृति का अनावरण किया गया था क्योंकि जैन रात में मिठाई नहीं बांट रहे थे। कल गुरुवार से मिठाई बांटी जाएगी। इस मौके पर सांसद दर्शनबेन जरदोश प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल, गृह राज्य मंत्री हर्षभाई सांघवी, कैबिनेट मंत्री पूर्णेशभाई मोदी, प्रभारी मंत्री कनुभाई देसाई, राज्य मंत्री विनुभाई मोर्डिया और मुकेश भाई पटेल, मेयर हेमालीबेन बोघवाला,पूर्वी डे। मेयर नीरव शाह समेत कई राजनीतिक हस्तियां मौजूद रहीं। कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित सभी राजनीतिक गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इसके बाद अद्भुत अंग्रेजी पुस्तक च्अनिहाज् का विमोचन हुआ जो जीवन के छिपे हुए रत्नों पर प्रकाश डालती है। बाद में मिठाई वितरण की प्रतिकृति का अनावरण किया गया। अंत में सभी राजनीतिक नेताओं ने दीक्षिती की मासूमियत की तारीफ की. उस समय दीक्षिती की जयनाद से माहौल गुंजायमान था। पूरे कार्यक्रम का संचालन रवींद्रभाई सीए ने किया।

75 दीक्षा महोत्सव के हिस्से के रूप में, विभिन्न समाज सेवा संगठनों और सूरत के विभिन्न समाजों को बुधवार सुबह आधुनिक शहर वेसु में जैनों के चार संप्रदायों द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमें सांवल जैन संघ, श्री जिनगना आराध्य ट्रस्ट..

विजय रामचंद्रसूरी आराधना भवन, पार्ले पॉइंट, कल्याणमंदिर ट्रस्ट,धनेरा श्वे.मू.पू.जैन संघ,शासन को समर्पित वाव समाज, तेरापंथी जैन समाज, दिगंबर जैन समाज, स्थानकवासी जैन समाज, सूरत डायमंड एसोसिएशन, द चैंबर ऑफ कॉमर्स, द डायमंड ब्रोकर्स एसोसिएशन आदि शामिल हैं।

सूरत में चारों तरफ है दीक्षा का माहौल : हर्ष संघवी

इस मौके पर गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि सूरत में रिकॉर्ड टूट रहे हैं और नया इतिहास बन रहा है.सभी धर्मों के लोग सोचते रहे कि 75-75 दीक्षित दुनिया छोड़कर कैसे जा रहे हैं। यह दुनिया के लिए रीचर्स का विषय है। इस समय पूरे सूरत में दीक्षा का माहौल है। उन्होंने फेस्टिवल की प्लानिंग के बारे में बताते हुए कहा कि मेरे जैसे हजारों हर्ष यहां काम करते हैं।इस ऐतिहासिक उत्सव को देखना भी गर्व का क्षण होगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)